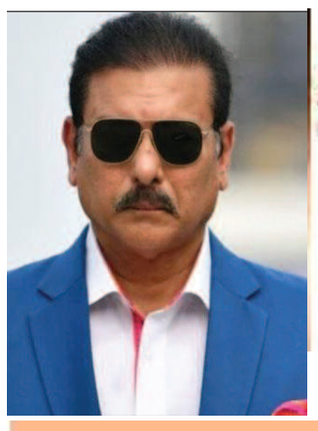


# सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

रवि शास्त्री की इंग्लैंड को सलाह, एशेज जीतनी है तो ये तरीका अपनाए -पेज: 7

अभिनेत्री कटरीना ने दिया बेटे को जन्म, स्टार्स और फैंस ने दी बधाईया -पेज: 8


वर्ष: 01 | अंक: 210 | शनिवार 08 नवंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए


## दिल्ली एयरपोर्ट पर एटीसी में तकनीकी खराबी, जयपुर से संचालित कई फ्लाइट के शेड्यूल बिगड़े

जयपुर (एजेंसी)। दिल्ली एयरपोर्ट पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में तकनीकी खराबी के कारण 300 से ज्यादा उड़ानों में देरी हुई है। इसका असर जयपुर से संचालित कई फ्लाइट के शेड्यूल पर दिखा है। शुक्रवार को जयपुर से दिल्ली जाने वाली तीन फ्लाइट लेट हुईं। जयपुर से उदयपुर की फ्लाइट कैंसिल हो गई। अन्य शहरों की 4 फ्लाइट भी लेट हो गईं। एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-1834 सुबह 8:30 बजे की बजाय सुबह 11:54 बजे रवाना हुई। फ्लाइट्स के डिले होने से जयपुर एयरपोर्ट पर पैसेंजर्स को परेशानी का सामना करना पड़ा है। जयपुर एयरपोर्ट से संचालन कारणों से कई अन्य फ्लाइट भी लेट हुई हैं। इंडिगो की चंडीगढ़ की फ्लाइट 6ई- 7718 करीब साढ़े चार घंटे देरी से सुबह 9:45 बजे की बजाय दोपहर 2:25 बजे रवाना हुई। इंडिगो की जोधपुर की फ्लाइट 6ई-7405 निर्धारित समय सुबह 10:30 बजे की बजाय दोपहर 1:55 बजे उड़ी। इंडिगो की इंदौर की फ्लाइट 6ई-7154 अपने निर्धारित वक्त सुबह 11:50 बजे की बजाय दोपहर 2:20 बजे रवाना हुई। वहीं, शाम 5:30 बजे जयपुर से उदयपुर जाने वाली इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट कैंसिल कर दी गई है। जयपुर एयरपोर्ट के प्रवक्ता के अनुसार फिलहाल जयपुर एयरपोर्ट पर किसी भी तरह की तकनीकी समस्या नहीं आई है। हालांकि कुछ फ्लाइट जो दिल्ली से संचालित होने वाली हैं या दिल्ली जाने वाली हैं, उनकी टाइमिंग में आंशिक बदलाव किया गया है।

## मुंबई बम धमाकों का आरोपी टाइगर मेमन की संपत्तियां होंगी नीलाम

मुंबई (एजेंसी)। 1993 के मुंबई सीरियल बम धमाकों के आरोपी टाइगर मेमन और उसके परिवार की संपत्तियों की नीलामी की जाएगी। इनमें वह फ्लैट भी शामिल है, जहाँ कथित तौर पर बम धमाकों की साजिश की एक बैठक हुई थी। विशेष टाडा अदालत से कुल 17 संपत्तियों का विवरण मिला है। आठ संपत्तियों को पहले ही एसएफईएमए (तस्कर और विदेशी मुद्रा हेरफेर अधिनियम प्राधिकरण) ने अपने कब्ज़े में ले लिया है। इसमें मध्य मुंबई के माहिम में अल हुसैनी इमारत के तीन फ्लैट शामिल हैं, जहाँ मेमन परिवार रहता था। साजिश की बैठक भी इसी इमारत में हुई थी। आठ ज़ब्त की गई संपत्तियों का मूल्यांकन किया जा रहा है, और नीलामी दिसंबर या जनवरी में शुरू हो सकती है। चार संपत्तियों पर अभी भी मुकदमा चल रहा है। पाँच और संपत्तियों के कब्ज़े की प्रक्रिया जारी है।

अन्य संपत्तियां- उपनगरीय वकोला के कोले कल्याण इलाके में लगभग 400 करोड़ रुपये मूल्य का 10,000 वर्ग मीटर का एक भूखंड है, जिस पर अतिक्रमण के कारण कब्जा नहीं मिला है। ज़वेरी बाज़ार, बांद्रा, और कूर्ला (कपाड़िया नगर) में भी फ्लैट/संपत्तियां हैं, जिनकी नीलामी कब्ज़ा मिलने के बाद होगी। दक्षिण मुंबई के मनीष मार्केट में टाइगर मेमन और मोहम्मद दोसा के संयुक्त स्वामित्व वाली चार दुकानें हैं, लेकिन इनसे संबंधित एक अपील अदालत में लंबित है। बात दें कि टाइगर मेमन 12 मार्च 1993 से फरार है और उसके पाकिस्तान में होने का संदेह है। उसके भाई को उसकी भूमिका के लिए 2015 में फांसी दी गई थी। 1993 के मुंबई सीरियल बम धमाकों में 257 लोग मारे गए थे।

## पंजाब में पराली जलाने की 351 घटनाएँ सामने आईं... सबसे ज्यादा आग लगाने की घटनाएं संगरूर

चंडीगढ (एजेंसी)। दिल्ली में बिगड़ती वायु गुणवत्ता के बीच, पंजाब में पराली जलाने की 351 घटनाएँ सामने आईं, इससे 15 सितंबर से अब तक कुल 3,284 घटनाएँ हो चुकी हैं। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, संगरूर, तरनतारन, फिरोजपुर, अमृतसर और बठिंडा जिलों में पराली जलाने के सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। खेतों में आग लगाने की सबसे अधिक घटनाएं संगरूर में 557, तरनतारन में 537, फिरोजपुर में 325, अमृतसर में 279, बठिंडा में 228, पटियाला में 189 और मोगा में 165 दर्ज की गईं। आंकड़ों के अनुसार, राज्य में 29 अक्टूबर तक दर्ज 1,216 मामलों की तुलना में इस साल पराली जलाने की घटनाओं में 2,068 की वृद्धि देखी गई। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण में वृद्धि के लिए अक्सर पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने को ज़िम्मेदार ठहराया जाता है। चूँकि अक्टूबर-नवंबर में धान की कटाई के बाद रबी की फसल, गेहूँ की बुवाई का समय बहुत कम होता है, इसलिए कुछ किसान पराली को जल्दी से हटाने के लिए अपने खेतों में आग लगा देते हैं। आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष पंजाब में धान की खेती का कुल क्षेत्रफल 31.72 लाख हेक्टेयर है। 6 नवंबर तक, इस क्षेत्र के 91.16 प्रतिशत हिस्से की कटाई हो चुकी थी। अब तक 1,367 मामलों में पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में 71.80 लाख रुपये का जुर्माना लगा है, जिसमें से 37.40 लाख रुपये वसूल हुए है। आंकड़ों के अनुसार, रूपनगर ज़िले में अब तक पराली जलाने की कोई घटना नहीं हुई है, जबकि पठानकोट में एक, एसबीएस नगर में 11 और होशियारपुर में 15 घटनाएँ दर्ज की गई हैं। पंजाब में 2024 में पराली जलाने की 10,909 घटनाएँ होंगी, जबकि 2023 में यह संख्या 36,663 थी, यानी 70 प्रतिशत की गिरावट।

## केरल पुलिस ने 24 साल बाद बलात्कार के आरोपी को चेन्नई से पकड़ा

तिरुवनन्तपुरम (एजेंसी)। केरल पुलिस ने फरारी काट रहे बलात्कार के आरोपी को 24 साल बाद चेन्नैई से गिरफ्तार किया है। केरल का यह शख्स 2001 में एक नाबालिग दलित लड़की के साथ यौन शोषण के मामले में आरोपी था। आरोपी की पहचान 50 वर्षीय मुथुकुमार के रूप में हुई है, जो ईसाई धर्म अपनाने के बाद पास्टर सैम के नाम से चेन्नैई में रह रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मुथुकुमार को 2001 में 14 साल की स्कूली छात्रा के रेप के आरोप में पकड़ा गया था। उस समय आरोपी ट्यूटर का काम करता था। आरोपी ने दलित लड़की को अपने घर ले जाकर उसके साथ यौन शोषण किया था। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर तीन महीने की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। वह 2001 में जमानत पर छूटकर फरार हो गया था। पुलिस ने बताया कि यह लंबे समय से पेंडिंग मामलों में से एक था। पिछले एक साल से पुलिस ने उसकी तलाश तेज कर दी थी। उन्होंने कहा कि वह शायद छिपने के लिए धर्म बदल लिया। रेप के मामले में शामिल होने के बाद, मुथुकुमार को अपना किराए का घर खाली करने के लिए कहा गया था।

# वंदे मातरम' ने आजादी के आंदोलन को दिशा दी, स्वतंत्रता के बाद देश को एकजुट रखा: अमित शाह

**केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम' ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को दिशा दी और स्वतंत्रता के बाद देश को एकजुट रखने का कार्य किया। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित वंदे मातरम' के 150वें वर्ष...**

**नई दिल्ली एजेंसी:** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय गीत ह्यवंदे मातरम' ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को दिशा दी और स्वतंत्रता के बाद देश को एकजुट रखने का कार्य किया। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित ह्यवंदे मातरम' के 150वें वर्ष समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के जो सपने थे, वे पिछले 11 वर्षों में सामूहिक प्रयासों से साकार हुए हैं। शाह ने कहा कि यह गीत बंगाली उपन्यासकार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने अक्षय नवमी के दिन, सात नवम्बर 1875 को लिखा था। उन्होंने कहा, इसी दिन बंकिम बाबू ने यह गीत सार्वजनिक किया था, जिसने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को प्रेरणा दी और स्वतंत्रता के बाद भारत को एक सूत्र में बांधे रखा।" यह गीत सबसे पहले ह्यबंगदर्शन' नामक साहित्यिक पत्रिका में चट्टोपाध्याय के उपन्यास ह्यआनंदमठ' के हिस्से के रूप में प्रकाशित हुआ था। शाह ने कहा कि भाजपा ने हमेशा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर बल दिया है। उन्होंने कहा मुझे पूरा विश्वास है कि वंदे मातरम' उसी राष्ट्रवाद की प्रेरक शक्ति रहा होगा।" उन्होंने बताया कि वंदे मातरम 150" नाम से एक सोशल मीडिया अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत देशवासी इस गीत को अपनी-अपनी भाषाओं में लिखकर राष्ट्रीय एकता को सशक्त करेंगे। कार्यक्रम के दौरान शाह ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को नमन किया और कहा, आज से क्रमबद्ध रूप से वर्षभर विभिन्न स्थानों पर वंदे मातरम' गाने का अभियान चलाया जाएगा।" उन्होंने बताया 15 अगस्त 1947 को सरदार वल्लभभाई पटेल के अनुरोध पर पंडित ओंकारनाथ ठाकुर ने पूरा वंदे मातरम' गीत गाया था और 24 जनवरी 1950 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने इसे राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकार किया था।" शाह ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित वंदे मातरम@150' कार्यक्रम के दौरान स्वदेशी संकल्प पत्र' भी पढ़ा और स्वदेशी' का संकल्प लिया। स्वदेशी संकल्प पत्र' में विदेशी वस्तुओं की जगह भारतीय उत्पादों के प्रयोग, स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने, लोगों में जागरूकता फैलाने, भारतीय पर्यटन स्थलों को प्राथमिकता देने, भारतीय भाषाओं के प्रयोग को प्रोत्साहित करने और युवाओं व बच्चों में स्वदेशी की भावना विकसित करने पर बल दिया गया।

## दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण का संकट गहराया... मामले की सुनवाई 12 नवंबर को

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण का संकट गहरा गया है और हवा की गुणवत्ता खतरनाक स्तर पर बनी हुई है। भारत का सर्वोच्च न्यायालय इस मामले की सुनवाई 12 नवंबर को करेगा। पिछली सुनवाई (3 नवंबर) में, अदालत ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को प्रदूषण को रोकने के लिए उठाए गए कदमों पर एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था। वकीलों ने स्थिति की गंभीरता पर ज़ोर देकर कहा है कि एनसीआर में वायु गुणवत्ता बिगड़ रही है और यह मामला अत्यावश्यक है। दो दिनों के मामूली सुधार के बाद, दिल्ली की वायु गुणवत्ता फिर से बेहद खराब श्रेणी में पहुँच गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 311 दर्ज किया है, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है।

विशेषज्ञों ने प्रदूषण के लिए निम्नलिखित को प्रमुख कारण बताया है: वाहनों से निकलने वाले उत्सर्जन और औद्योगिक प्रदूषण, पड़ोसी राज्यों में पराली जलाना। दिवाली और प्रतिबंधों का उल्लंघन प्रदूषण में हालिया वृद्धि उस समय हुई जब दिल्ली में वर्षों बाद ग्रीन दिवाली मनाई गई। सुप्रीम कोर्ट ने 18 से 20 अक्टूबर के बीच दिल्ली-एनसीआर में केवल ग्रीन पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति दी थी, वो भी केवल दो विशिष्ट समयों में- सुबह 6 बजे से 7 बजे तक, रात 8 बजे से 10 बजे तक दी गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, कई निवासियों ने इन प्रतिबंधों का उल्लंघन किया। सीपीसीबी के आंकड़ों से पता चलता है कि दिवाली के बाद दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई 450 को पार कर गया, जिसका कारण पटाखों का धुआं और पराली जलाना था।

## भरी अदालत में भड़क उठे सीजेआई बोले- अटॉर्नी जनरल को बता दीजिए...

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अटॉर्नी जनरल के लगातार अनुपस्थित रहने पर सीजेआई बीआर गवई भड़क गए। ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि लगातार तीसरी बार अटॉर्नी जनरल सुनवाई के दौरान कोर्ट में मौजूद नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्य भाटी को शब्दों में निर्देश दिया कि वे अटॉर्नी जनरल को बता दें कि सोमवार को इस मामले की सुनवाई पूरी की जाएगी, ऐसे में वे अदालत में अपना पक्ष रखने के लिए मौजूद रहें।

सीजेआई गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि सोमवार 10 नवंबर 2025 को इस मामले को क्लोज कर दिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट, 2021 की संवैधानिक वैधता को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार द्वारा एक बार फिर स्थगन की मांग किए जाने पर सीजेआई जस्टिस गवई ने कड़ा रुख अपनाया। सीजेआई ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसा लग रहा है कि केंद्र इस मामले की सुनवाई 23 नवंबर को मेरे रिटायर होने के बाद ही करवाना चाहती है। मामला विभिन्न प्रमुख ट्रिब्यूनलों में नियुक्ति और उनके कार्यकाल एवं प्रक्रियाओं से जुड़ा है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि मौजूदा व्यवस्था ट्रिब्यूनलों की स्वतंत्रता को प्रभावित करती है, क्योंकि नियुक्तियों में कार्यपालिका की भूमिका बहुत अधिक है। सीजेआई की बेंच ने एएसजी ऐश्वर्य भाटी से रूबरू होते हुए स्पष्ट शब्दों में पूछा कि अगर आप नहीं चाहतीं कि हम सुनवाई करें, तो स्पष्ट कह दें।

दरअसल, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी ने शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई न करने का अनुरोध किया था। कोर्ट ने 7 नवंबर की तिथि पहले ही तय कर रखी थी। एएसजी ने कोर्ट को बताया कि अटॉर्नी जनरल आर। वेंकटरमणी अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता में व्यस्त हैं। इस पर सीजेआई जसिटस गवई ने तीखे शब्दों में प्रतिक्रिया दी। 'टाइम्स ऑफ इंडिया' की रिपोर्ट के अनुसार, सीजेआई जस्टिस गवई ने कहा, 'अगर आप नहीं चाहते कि हम सुनें और फैसला दें, तो बस बता दें। ऐसा लगता है कि आप चाहते हैं कि यह मामला 24 नवंबर के बाद सुना जाए।' सीजेआई जस्टिस गवई 23 नवंबर को रिटायर हो रहे हैं। सीजेआई की पीठ ने यह भी कहा कि अदालत ने एजी को तीन बार समय दिया, लेकिन हर बार यही बताया गया कि वे व्यस्त हैं। एएसजी ऐश्वर्य भाटी ने बताया कि एजी व्यक्तिगत रूप से यह मामला देख रहे हैं, लेकिन सीजेआई ने इस पर भी आपत्ति जताई और कहा कि तीन बार स्थगन के बावजूद एजी कोर्ट में पेश नहीं हुए हैं। सीजेआई जस्टिस गवई ने 2 नवंबर की आधी रात को केंद्र द्वारा दाखिल उस अर्जी का भी उल्लेख किया जिसमें इस मामले को संविधान पीठ के पास भेजने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, 'पहले आप स्थगन मांगते रहते हैं और फिर रात में अर्जी देते हैं कि मामला संविधान पीठ को भेजा जाए। यह अदालत के साथ न्यायपूर्ण रवैया नहीं है।

## हिंदू एकता को बढ़ावा देने 10 दिवसीय पदयात्रा पर निकले आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने 7 नवंबर को दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश की 10 दिवसीय पदयात्रा शुरू की। 145 किलोमीटर की पदयात्रा का उद्देश्य हिंदू एकता को बढ़ावा देना, जाति-आधारित भेदभाव को खत्म कर और शांति, राष्ट्रवाद और सनातन मूल्यों का संदेश फैलाना है। यह पदयात्रा 16 नवंबर तक जारी रहेगी। पदयात्रा के शुभारंभ के मौके पर शास्त्री ने कहा कि यह हमारे जीवनकाल की दूसरी पदयात्रा है। हम पदयात्रा के द्वारा हिंदुओं में जागृति चाहते हैं। जातिवाद और भेदभाव का अंत होना चाहिए। हम इस देश में जातिवाद नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद चाहते हैं। हमारे और आपके हिंदू बच्चे सुरक्षित रहें और देश का इस्लामीकरण न हो। दंगे न हों, गंगा का प्रवाह हो। इसीलिए हम यह पदयात्रा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश सबका है। यह हर उस पार्टी की पदयात्रा है जिसमें हिंदू हैं। अगर जाति-आधारित झगड़े खत्म हो जाएँ, तब हिंदू एकजुट हो जाएँगे। पूरे भारत से करीब 40,000 प्रतिभागियों ने इस पदयात्रा के लिए पंजीकरण कराया है। प्रत्येक दिन की शुरुआत राष्ट्रगान और हनुमान चालीसा से होगी, जिसके बाद हिंदू एकता को बढ़ावा देने और जातिगत भेदभाव को समाप्त करने के उद्देश्य से सात दैनिक प्रतिज्ञाएँ ली जाएँगी।

## मुनीर और शाहबाज को पाकिस्तानी प्रोफेसर ने दिखाया आइना... जम्मू-कश्मीर पर भारत का वास्तविक अधिकार

### पाकिस्तान की बर्बादी का कारण जिन्ना

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पाकिस्तानी प्रोफेसर इश्तियाक अहमद का कहना है कि जम्मू-कश्मीर पर भारत का वास्तविक अधिकार है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने विभाजन के बाद जूनागढ़ रियासत पर दावा किया था, जो उसकी सीमा से 250 किलोमीटर दूर गुजरात में मौजूद थी। पाकिस्तान का दावा था कि जूनागढ़ के शासक मुसलमान हैं और वह चाहते हैं कि पाकिस्तान में आए। इसलिए जूनागढ़ को पाकिस्तान में रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि यहां पाकिस्तान की गलती थी। जूनागढ़ में 91 फीसदी आबादी हिंदू थी और पाकिस्तान शासक के मुसलमान होने के नाम पर चाहता था कि उस हिस्से को अपने साथ मिला लिया जाए। अब यदि यही दलील जम्मू-कश्मीर में लागू करे, तब पाकिस्तान का हक कैसे बनता है।

उन्होंने कहा कि यही गलती पाकिस्तान की थी और जम्मू-कश्मीर के महाराज हरि सिंह ने बाकायदा विलय पत्र पर साइन करके भारत में शामिल होने का फैसला लिया था। इतना ही नहीं उन्होंने स्वीकार किया कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में 1947 में मुजाहिद भेज दिए थे। इन लोगों ने बारामूला, पुंछ जैसे इलाकों में घुसकर लूटमार मचाई थी। उन्होंने यूएन के प्रस्ताव का जिक्र कर कहा कि सबसे पहले नियम के अनुसार पाकिस्तान को ही सेना हटानी होगी। उसके बाद भारत वहां से फौज हटाएगा और फिर जनमत संग्रह होगा। लेकिन उन्होंने यहां कहा कि भारत इस मामले में यूएन ना ही जाता, तब ठीक रहता।

प्रोफेसर अहमद ने कहा कि फिलहाल दोनों देश एलओसी को ही सीमा मान लें। हालांकि यह दलील भारत कभी स्वीकार नहीं कर सकता। इसकी वजह पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के बड़े हिस्से पर अवैध कब्जा किया हुआ है। इश्तियाक अहमद ने कहा कि एक समय था कि अमृतसर से लाहौर तक लोग रोज ही आते-जाते थे। उन्होंने कहा कि शायद ही हम अपनी जिंदगी में अब दोबारा वैसे दिन देख सकते है। अहमद ने कहा कि आज हालात यह हैं कि पाकिस्तान के बाजार चौपट पड़े हैं। यदि भारत के साथ रिश्ते बहाल हो जाएं तब इकॉनमी को मदद मिलेगी।

इस दौरान अहमद ने कहा कि आज पाकिस्तान में कोई अल्पसंख्यक समाज बचा ही नहीं है। प्रोफेसर ने कहा कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि जिन्ना के पास अपना कोई प्लान नहीं था। उन्होंने भारत का बंटवारा करा लिया, लेकिन कोई आइडिया नहीं था कि देश कैसे चलेगा। इसकारण पाकिस्तान में शुरुआत से ही कट्टरपंथी ताकतें हावी रही। उन्होंने कहा कि भारत में गांधी और नेहरू जैसे नेता पढ़ते-लिखते थे।

## जहां से भी हिंदू आएंगे, उन्हें नागरिकता और वोट का अधिकार दिलवाएंगे: मिथुन

### -अभिनेता और नेता ने कहा- बिहार में बहुमत से जीतेगी बीजेपी

**कोलकाता (एजेंसी)।** अभिनेता से नेता बने बीजेपी के मिथुन चक्रवर्ती ने बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण की मतदान पर शुक्रवार को कहा कि मतदान जिस तरह हुआ, उससे लगता है कि बीजेपी पूरे बहुमत से जीत हासिल करेगी। मिथुन ने कहा कि बीजेपी को बिहार में सत्ता में आना चाहिए क्योंकि यही एकमात्र पार्टी है जो अच्छा शासन दे सकती है। उन्होंने साफ कहा कि हम इस राज्य में किसी के खिलाफ नहीं हैं। विपक्ष पर निशाना साधते हुए मिथुन ने कहा कि अफवाहें फैलाकर और लोगों को डराकर कुछ करने की कोशिश की जा रही है। हमने पहले ही कहा है कि जहां से भी हिंदू आएंगे, उन्हें नागरिकता और वोट का अधिकार दिया जाएगा। भारतीय मुस्लिम भी वोटिंग का अधिकार रखते हैं। फिर समस्या कहां है? उन्होंने टीएमसी पर निशाना साधते हुए कहा, वे गैर-भारतीयों के लिए मिशन चला रहे हैं, तो वह अलग बात है। उन्होंने आंदोलन शुरू कर दिया है, लेकिन हिंदुओं के लिए ऐसा नहीं कर सके। वे हिंदुओं और सनातनियों के खिलाफ हैं। पश्चिम बंगाल में 4 नवंबर को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की शुरुआत के बाद से अब तक बूथ स्तर अधिकारियों ने 2 करोड़ से ज्यादा फॉर्म वितरित किए हैं। गणना प्रक्रिया के लिए राज्य के 294 विधानसभा क्षेत्रों में 80,681 बीएलओ मतदाताओं के घर-घर जाकर फॉर्म बांट रहे हैं। एक अधिकारी ने कहा कि गुरुवार रात तक पश्चिम बंगाल में 2.01 करोड़ से ज्यादा गणना फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं।' करीब 7.66 करोड़ गणना प्रपत्र तैयार किए गए हैं। हरेक मतदाता को 2 कॉपी प्राप्त होगी जिसमें से एक मुहर लगी पावती के साथ लोटाई जाएगी। एक निर्वाचन आयोग के रिकॉर्ड के लिए होगी। पश्चिम बंगाल में 23 साल बाद फिर से एसआईआर किया जा रहा है। इससे पहले राज्य में 2002 में एसआईआर हुआ था।

## कनाडा बना भारतीयों की पहली पसंद, 2023 में सवा 2 लाख लोगों ने ली नागरिकता

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अधिकांश भारतीय विदेशों की तरफ ज्यादा आकर्षित होते हैं। तमाम देशों में सबसे ज्यादा भारतीय कनाडा को पसंद करते हैं। केवल पढ़ाई या नौकरी के लिए नहीं, बल्कि स्थायी नागरिकता हासिल करने के उद्देश्य से भी देश छोड़ रहे हैं। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 में करीब 2.25 लाख भारतीयों ने ओईसीडी सदस्य देशों की नागरिकता प्राप्त की। यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है, जो भारत से हो रहे वैश्विक पलायन की नई तस्वीर पेश करता है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय प्रवासी केवल बेहतर जीवन और करियर अवसरों की तलाश में नहीं हैं, बल्कि कई लोग स्थिर सामाजिक ढांचे और बेहतर भविष्य की सुरक्षा के लिए भी विदेशी नागरिकता का विकल्प चुन रहे हैं। यह प्रवृत्ति बताती है कि भारतीय वैश्विक मंच पर न केवल अपनी उपस्थिति बढ़ा रहे हैं, बल्कि विकसित देशों की अर्थव्यवस्था और कार्यबल में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

कनाडा के बाद अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया भारतीयों की पसंदीदा मंज़िलें हैं। अमेरिका में साल 2023 में 52,360 भारतीयों ने नागरिकता ली, हालांकि यह आंकड़ा 2022 के 66,670 की तुलना में कुछ कम है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया में 40,361 भारतीयों ने स्थायी नागरिकता प्राप्त की, जो पिछले वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। इन देशों की उच्च शिक्षा प्रणाली, रोजगार के अवसर और जीवन की गुणवत्ता भारतीय युवाओं को आकर्षित कर रही है। ओईसीडी की रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब वैश्विक स्तर पर उन देशों में शामिल है, जिनसे सबसे अधिक प्रवासी नागरिक विदेशों में बस रहे हैं। भारत के बाद चीन दूसरे स्थान पर है। वर्ष 2023 में लगभग 317 लाख चीनी नागरिकों ने भी ओईसीडी सदस्य देशों की नागरिकता हासिल की, जिनमें अमेरिका और दक्षिण कोरिया प्रमुख गंतव्य रहे। वर्ष 2023 में 78,487 भारतीयों ने कनाडाई नागरिकता हासिल की, जबकि 2022 में यह संख्या 59,405 थी। एक दशक पहले यानी 2013 में केवल 15,388 भारतीयों ने कनाडा की नागरिकता ली थी। स्थिर शासन, रोजगार के अवसर, उच्च जीवन स्तर और स्थायी निवास की सरल प्रक्रिया ने कनाडा को भारतीय प्रवासियों के लिए आकर्षक गंतव्य बना दिया है। हालांकि, हाल के वर्षों में वहां बढ़ती महंगाई, मकानों की कमी और सख्त इमिग्रेशन नीतियां इस रफ्तार को धीमा कर सकती हैं।

# संपादकीय

## 'सरकार चोरी' के संगीन आरोप

नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' के जो खुलासे किए हैं, उन्हें 'हाइड्रोजन बम' कहें अथवा 'सरकार चोरी' के संगीन आरोप कहें, लेकिन उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राहुल के आरोप चुनाव आयोग की वेबसाइट के तथ्यों पर आधारित हैं। यदि उनमें एक भी आरोप अकाट्य है, अर्द्धसत्य भी है, तो चुनाव आयोग का पूर्ण सत्य ध्वस्त हो सकता है। ऐसे खुलासे सामने आए हैं, जो भारत के चुनाव आयोग की विश्व-विख्यात, तटस्थ, निष्पक्ष, ईमानदार छवि को कलंकित कर सकते हैं। यदि चुनाव आयोग और प्रक्रिया ही दागदार और सवालिया हैं, तो लोकतंत्र की आत्मा ही मर जाएगी, लिहाजा हलफनामे की औपचारिकताओं के बिना ही कमोबेश मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को इन आरोपों के जवाब देने चाहिए। चूंकि चुनाव आयोग के हरेक महत्वपूर्ण आयोजन पर मुख्य चुनाव आयुक्त ही देश को संबोधित करते रहे हैं, लिहाजा अब उनकी खामोशी अक्षम्य है। यदि चुनाव आयोग और उसके तीन सूत्रधार आयुक्तों को राहुल गांधी के आरोप बेबुनियाद और खोखले लगते हैं, तो वे कानूनी कार्रवाई करें। प्राथमिकी दर्ज कराएं और राहुल को आरोपित बना कर सर्वोच्च अदालत में केस चलाएं। खामोशी या हलफनामे की शर्त अथवा कांग्रेस के चुनाव एजेंटों पर सवाल दागना कोई स्पष्टीकरण नहीं है। यह देश की सुरक्षा के साथ 'भ्रष्ट समझौता' है कि हरियाणा की मतदाता सूची में ब्राजील की एक मॉडल का फोटो 22 जगह है। एक ही फोटो के साथ सीमा, सरस्वती, स्वीटी, रश्मि, विमला आदि नाम हैं। आखिर यह कैसे हुआ? क्या चुनाव आयोग इतनी लापरवाही से मतदाता पहचान पत्र बनाता है? आयोग का अपना आधुनिक सॉफ्टवेयर है। वह 'क्लिक' करते ही किसी भी फ्रॉड, फर्जी और नकलीपन को पकड़ सकता है और उसे खारिज कर सकता है। राहुल गांधी के खुलासे के मुताबिक, हरियाणा की मतदाता सूची में 5, 21, 619 डुप्लीकेट मतदाता हैं। चुनाव में 25.41 लाख से अधिक वोटों की चोरी की गई। फर्जी फोटो के साथ मतदाताओं की संख्या 1, 24, 177 है। हरियाणा में प्रत्येक 8 में से 1 मतदाता 'नकली' है। एक ही पते पर कई वोटर बनाए जाने को 'बल्क वोटर' कहते हैं। यदि एक ही पते पर 10 से अधिक मतदाता हैं, तो चुनाव आयोग को उसकी जांच करना अनिवार्य है, लेकिन हरियाणा में एक ही पते पर 66 या 501 मतदाता बनाए गए। हरियाणा में 'बल्क वोटर' की संख्या 19 लाख 26 हजार 351 है। राज्य की मतदाता सूची में 93, 174 मतदाता ऐसे हैं, जिनके पते 'अमान्य' हैं। मतदाताओं के मकान नंबर '0' दिए गए हैं या कुछ और हैं।

## चिंतन-मनन

### अज्ञान का आवरण

गुरू के पास डंडा था। उस डंडे में विशेषता थी कि उसे जिधर घुमाओ, उधर उस व्यक्ति की सारी खामियां दिखने लग जाएं। गुरू ने शिष्य को डंडा दे दिया। कोई भी आता, शिष्य डंडा उधर कर देता। सब कुरूप-ही-कुरूप सामने दीखते। अब भीतर में कौन कुरूप नहीं है? हर आदमी कुरूप लगता। किसी में प्रोध ज्यादा, किसी में अहंकार ज्यादा, किसी में घृणा का भाव, किसी में ईर्ष्या का भाव, किसी में द्वेष का भाव, किसी में वासना, उत्तेजना। हर आदमी कुरूप लगता। बड़ी मुसीबत, कोई भी अच्छा आदमी नहीं दिख रहा है।

उसने सोचा, गुरूजी को देखूं, कैसे हैं? गुरू को देखा तो वहां भी कुरूपता नजर आई। गुरू के पास गया और बोला कि महाराज! आप में भी यह कमी है। गुरू ने सोचा कि मेरे अस्त्रों का मेरे पर ही प्रयोग! गुरू आखिर गुरू था। उसने कहा कि डंडे को इधर-उधर घुमाते हो, कभी अपनी ओर भी जरा घुमाओ। घुमाकर देखा तो पता चला कि गुरू में तो केवल छेद ही थे, यहां तो बड़े-बड़े गड्ढे हैं। वह बड़े असमंजस में पड़ गया।

कहने का अर्थ यह कि हमारी इन्द्रियों की शक्ति सीमित है। दूर की बात नहीं सुन पाते। भीतर की बात नहीं देख पाते। बहुत अच्छा है, अगर कान की शक्ति बढ़ जाए तो आज की दुनिया में इतना कोलाहल है कि नींद लेने की बात ही समाप्त हो जाएगी। देखने की शक्ति बहुत पारदर्शी बन जाए तो इतने बीभत्स दृश्य हमारे सामने आएंगे कि फिर आदमी का जीना ही मुश्किल हो जाएगा। कुरूपता तो चेतना के भीतर होती है। प्रकृति की विशेषता है कि हमारा अज्ञान का आवरण टूट नहीं पा रहा है।

**आवश्यकता है**

**आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।**

**9456884327/8218179552**

## विल्हेम रॉन्टजन को एक्स-रे का सर्वप्रथम वर्णन करने का श्रेय

संजय गोस्वामी

विल्हेम रॉन्टजन को एक्स-रे का सर्वप्रथम वर्णन करने का श्रेय दिया जाता है। हड्डियों को देखने में मदद करने वाली एक्स-रे की खोज के कुछ ही हफ़्तों बाद, चिकित्सा जगत में एक्स-रे का उपयोग शुरू हो गया। चिकित्सा प्रयोजनों के लिए एक्स-रे प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति हनोवर के युवा एडी मैकार्थी थे, जो 1896 में कनेक्टिकट नदी पर स्केटिंग करते समय गिर गए थे और उनकी बाईं कलाई में फ्रैक्चर हो गया था। इस ग्रह पर प्रत्येक व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में एक निश्चित मात्रा में विकिरण के संपर्क में आता है। रेडियोधर्मी पदार्थ प्राकृतिक रूप से हवा, मिट्टी, पानी, चट्टानों और वनस्पतियों में पाए जाते हैं। अधिकांश लोगों के लिए प्राकृतिक विकिरण का सबसे बड़ा स्रोत रेडॉन है। इसके अतिरिक्त, पृथ्वी पर लगातार ब्रह्मांडीय विकिरण, जिसमें एक्स-रे भी शामिल हैं, का आक्रमण होता रहता है। ये किरणें हानिरहित नहीं हैं, लेकिन इनसे बचना असंभव है, और विकिरण का स्तर इतना कम होता है कि इसके प्रभाव लगभग अदृश्य हो जाते हैं। पायलटों, केबिन क्रू और अंतरिक्ष यात्रियों को ऊँचाई पर ब्रह्मांडीय किरणों के संपर्क में आने के कारण उच्च खुराक का अधिक खतरा होता है। हालाँकि, हवाई गतिविधि को कैंसर की बढ़ती घटनाओं से जोड़ने वाले बहुत कम अध्ययन हुए हैं। प्रकार एक मानक एक्स-रे छवि बनाने के लिए, रोगी या उसके शरीर के किसी भाग को एक एक्स-रे डिटेक्टर के सामने रखा जाता है और छोटी एक्स-रे तरंगों द्वारा प्रकाशित किया जाता है। चूँकि हड्डियों में कैल्शियम प्रचुर मात्रा में होता है, जिसका परमाणु क्रमांक उच्च होता है, एक्स-रे अवशोषित हो जाते हैं और परिणामी छवि में सफेद दिखाई देते हैं। उदाहरण के लिए, फेफड़ों में फँसी हुई कोई भी गैस, उनकी विशेष रूप से कम अवशोषण दर के कारण, काले धब्बों के रूप में दिखाई देती है। रेडियोग्राफीः यह एक्स-रे इमेजिंग का सबसे प्रचलित प्रकार है। इसका उपयोग टूटी हुई हड्डियों, दांतों और छाती की छवि बनाने के लिए किया जाता है। रेडियोग्राफी में विकिरण की सबसे कम मात्रा का भी उपयोग होता है। फ्लोरोस्कोपीः रेडियोलॉजिस्ट, या रेडियोग्राफर, रोगी की गति का वास्तविक समय में एक्स-रे देख सकता है और तस्वीरें ले सकता है। इस प्रकार के एक्स-रे का उपयोग बेरियम भोजन के बाद आंत की गतिविधि को देखने के लिए किया जा सकता है। फ्लोरोस्कोपी में मानक एक्स-रे की तुलना में ज्यादा एक्स-रे विकिरण का उपयोग होता है, लेकिन फिर भी मात्रा बहुत कम होती है। कंप्यूटेड टोमोग्राफी (सीटी): रोगी एक मेज पर लेटता है और एक वलय के आकार के स्कैनर में प्रवेश करता है। पंखे के आकार की एक्स-रे किरण रोगी के शरीर से होकर कई डिटेक्टरों तक पहुँचती है। रोगी धीरे-धीरे मशीन में जाता है ताकि 3ऊछवि बनाने के लिए स्लाइस की एक श्रृंखला ली जा सके। इस प्रक्रिया में एक्स-रे की सबसे ज्यादा मात्रा का उपयोग किया जाता है क्योंकि एक ही बार में बड़ी संख्या में छवियाँ ली जाती हैं। जोखिम एक्स-रे हमारे डीएनए में उत्परिवर्तन पैदा कर सकते हैं और इसलिए, आगे चलकर जीवन में कैंसर का कारण बन सकते हैं। इसी कारण से, विश्व स्वास्थ्य संगठन (हल्ड) और संयुक्त राज्य सरकार, दोनों द्वारा एक्स-रे को एक कार्सिनोजेन (विश्वसनीय स्रोत) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। हालाँकि, एक्स-रे तकनीक के लाभ, इसके उपयोग के संभावित नकारात्मक परिणामों से कहीं अधिक हैं। अनुमान है कि अमेरिका में 0.4 प्रतिशत कैंसर सीटी स्कैन के कारण होते हैं। कुछ वैज्ञानिकों का अनुमान है कि चिकित्सा प्रक्रियाओं में सीटी स्कैन के बढ़ते उपयोग के साथ-साथ यह स्तर भी बढ़ेगा। 2007 में अमेरिका में कम से कम 6.2 करोड़ सीटी स्कैन किए गए। एक अध्ययन के अनुसार, 75 वर्ष की आयु तक, एक्स-रे से कैंसर का खतरा 0.6 से 1.8 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा। दूसरे शब्दों में, चिकित्सा इमेजिंग के लाभों की तुलना में जोखिम नगण्य हैं। प्रत्येक प्रक्रिया का एक अलग जोखिम होता है जो एक्स-रे के प्रकार और शरीर के जिस हिस्से की इमेजिंग की जा रही है, उस पर निर्भर करता है। नीचे दी गई सूची कुछ अधिक सामान्य इमेजिंग प्रक्रियाओं को दशार्ती है और विकिरण खुराक की तुलना सामान्य पृष्ठभूमि विकिरण से करती है जिसका सामना सभी लोग दैनिक आधार पर करते हैं। विभिन्न एक्स-रे प्रक्रियाएं अलग-अलग मात्रा में विकिरण उत्सर्जित करती हैं। छाती का एक्स-रेः 2.4 दिनों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर खोपड़ी का एक्स-रेः 12 दिनों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर काठ का रीढ़ः 182 दिनों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर क्ष यूरोग्रामः 1 वर्ष के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर ऊपरी जठरांत्र परीक्षणः 2 वर्षों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर बेरियम एनीमाः 2.7 वर्षों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर सिर का सीटी स्कैनः 243 दिनों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर पेट का सीटी स्कैनः 2.7 वर्षों के प्राकृतिक पृष्ठभूमि विकिरण के बराबर। ये विकिरण आँकड़े वयस्कों के लिए हैं। बच्चे एक्स-रे के रेडियोधर्मी प्रभावों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। दुष्प्रभाव हालाँकि एक्स-रे कैंसर के थोड़े बढ़े हुए जोखिम से जुड़े हैं, लेकिन अल्पकालिक दुष्प्रभावों का जोखिम बहुत कम है। उच्च विकिरण स्तर के संपर्क में आने से कई तरह के प्रभाव हो सकते हैं, जैसे उल्टी, रक्तस्राव, बेहोशी, बालों का झड़ना, और त्वचा व बालों का झड़ना।

## राहुल की प्रेस कांफ्रेंस यानी बिहार में हार की पेशबंदी

डॉ. आशीष वशिष्ठ

कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बिहार में पहले चरण की 121 सीटों पर मतदान से एक दिन पहले दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग और बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक हैंडल से ट्वीट कर हरियाणा में डुप्लिकेट वोटर्स से लेकर बल्क वोटर्स तक, कैटेगरी वाइज आंकड़े भी बताए हैं। इससे पहले भी राहुल गांधी वोट चोरी का मुद्दा उठा चुके हैं। लेकिन वो चुनाव आयोग में शपथ पत्र देकर शिकायत और अदालत का दरवाजा नहीं उठाते हैं। बस प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से बेबुनियाद आरोप और दावे करते रहते हैं। असल में पटना से करीब 1100 किलोमीटर दूर जब राहुल गांधी हरियाणा विधानसभा चुनाव में फर्जी वोटिंग के किस्से सुना रहे थे तब ऐसा लग रहा था मानो वो बिहार में महागठबंधन की होने वाली हार के लिए पेशबंदी कर रहे हैं।

राहुल गांधी के वोट चोरी पर बीजेपी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। चुनाव आयोग ने भी कहा है कि कांग्रेस को डुप्लीकेट मतदाताओं को हटाने के लिए शिकायत दर्ज करवानी चाहिए थी। मीडिया रिपोर्ट के अुनसार हरियाणा राज्य की मतदाता सूची के खिलाफ कोई अपील दायर नहीं की गई थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मतदाता सूची के खिलाफ कोई अपील नहीं दायर की गई।

राहुल गांधी के इस दावे को लेकर काफी विवाद हो रहा है। इनमें भी सबसे बड़ा विवाद तो ये है कि राहुल गांधी को ये कैसे पता चला कि जिन 22 वोटर कार्ड पर एक ही मॉडल ही तस्वीर है, उन वोटर कार्ड से चुनावों में वोट डाले गए हैं। ये सवाल इसलिए भी उठ रहा है क्योंकि राहुल गांधी जिस वोटर लिस्ट को दिखाकर ये पूरा दावा कर रहे हैं, वो वोटर लिस्ट मतदान के बाद की नहीं बल्कि मतदान से पहले की है। सोचिए मतदान से पहले की वोटर लिस्ट से राहुल गांधी को ये कैसे पता चला कि इन वोटर कार्ड से चुनावों में वोटिंग भी हुई। मीडिया की पड़ताल में राहुल गांधी के दावे झूठे साबित हुए।

सवाल यह भी है कि अगर कोई गड़बड़ी थी तो कांग्रेस के बूथ लेवल एजेंट्स ने संशोधन के दौरान एक ही नाम की एक से अधिक प्रविष्टियों को रोकने के लिए कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं दर्ज की? वहीं अगर कई नामों के दोहराव से बचना था, तो संशोधन के दौरान कांग्रेस के बूथ-स्तरीय एजेंटों (बीएलए) ने कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं उठाई?

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बिहार और हरियाणा दोनों में कांग्रेस के बूथ एजेंटों ने संशोधन के दौरान दोहराए गए नामों को लेकर कोई दावा या आपत्ति नहीं दर्ज की। वही सवाल यह भी है कि वोटर लिस्ट चुनाव से पहले उपलब्ध होती है। अगर कोई नाम छूट गया है, तो उसे जुड़वाने की व्यवस्था होती है। वास्तव में, कांग्रेस और कई विपक्षी दल सत्ता हासिल करने के लिए किसी ने किसी बहाने देश की जनता को संवैधानिक संस्थाओं के प्रति उकसाते रहते हैं। चुनाव आयोग, ईडी, सीबीआई से लेकर तमाम दूसरी संवैधानिक संस्थाओं को कटघरे में खड़ा करते रहते हैं। राहुल गांधी तो चुनाव आयोग के अधिकारियों को खुली धमकी दे चुके हैं कि उनकी सरकार आएगी तो वो जांच करवाएगी। वैसे अब तक चुनाव आयोग और चुनाव प्रणाली को लेकर विपक्ष के आरोप फर्जी और बेबुनियाद ही साबित हुए हैं। प्रेस कांफ्रेंस में राहुल गांधी ने मीडिया का परिचय बिहार के कुछ ऐसे लोगों से भी कराया है, जिनके नाम वोटर लिस्ट से काट दिए गए हैं और इन लोगों का कहना है कि चुनाव आयोग की तरफ से उनके पास कभी कोई आया ही नहीं और बिना बताए उनका नाम वोटर लिस्ट से डिलीट कर दिया गया। अब यहां पता है समस्या क्या आ रही है। समस्या ये है कि राहुल गांधी देश को ये बता रहे हैं कि वोटर लिस्ट में क्या त्रुटियां हैं लेकिन चुनाव आयोग जब इन त्रुटियों को सुधारने के लिए वोटर लिस्ट का रिवीजन करना चाहता है तो वो इसका भी विरोध करते हैं। ऐसे में सवाल यह भी है कि क्या राहुल गांधी एसआईआर का समर्थन कर रहे हैं या इसका विरोध? सवाल यह है कि जिन लाखों वोटरों का वोट कटा है, वो चुपचाप अपने घरों में बैठकर राहुल गांधी की प्रेस कांफ्रेंस का इंतजार क्यों कर रहे थे, उन्हें तो सड़कों पर उतर आना चाहिए था।

वास्तव में, राहुल गांधी एक अगंभीर राजनीतिज्ञ हैं। उनकी राजनीति का मकसद सेवा की बजाय मेवा खाना और कमाना है। देश की जनता से जुड़ाव दिखाने के लिए वो किसान, ड्राइवर, कारपेंटर, हलवाई, कुली या पुताई वाले का अभिनय करते दिखते तो जरूर हैं, लेकिन राजनीति और देश को लेकर उनकी समझ अल्प है। वहीं उनकी एक समस्या यह भी है कि मोदी सरकार के खिलाफ वो जो आरोप लगाते हैं, उनका कोई ठोस आधार या प्रमाण उनके पास नहीं है। चौकीदार चोर है, हिंडनबर्ग रिपोर्ट से लेकर वोट चोरी तक उनके सारे दावे और आरोप हवा हवाई ही साबित हुए हैं। वहीं वो किसी एक मुद्दे पर टिकते नहीं हैं। मोदी सरकार के खिलाफ वो पिछले एक दशक में कई आरोप लगा चुके हैं। लेकिन चंद दिनों के शोर शराबे के बाद वो कोई नया आरोप लगाने लगते हैं।

देश की जनता मोदी और राहुल गांधी के बीच का फर्क सही से समझ रही है। इसलिए कांग्रेस सत्ता से दूर है। राहुल गांधी के पास पक्के सुबूत हों तो उन्हें छाती ठोककर चुनाव आयोग में शपथ पत्र दाखिल कर शिकायत दर्ज करनी चाहिए, अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए। लेकिन वो ऐसा नहीं करेंगे क्योंकि उनके आरोप केवल जनता को उकसाने के लिए हैं, संवैधानिक संस्थाओं और व्यवस्थाओं के प्रति नाराजगी का माहौल बनाने का है। कांग्रेस और विपक्ष के कई दलों का इको सिस्टम देश में अस्थिरता, अशांति और अराजकता का माहौल बनाने की फिराक में है। देशी राजनीतिक दलों के इन षड्यंत्रों में विदेशी ताकतें खद पानी मुहैया करवा रही हैं। आजकल राहुल गांधी जेन जी को बहला फुसलाकर सड़कों पर उतारना चाहते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरूआत में राहुल गांधी ने कहा कि वोट चोरी को रोकने के लिए भारत के जेन-जी युवाओं को आगे आना होगा। राहुल गांधी बार-बार जेन-जी युवाओं का जिक्र कर रहे हैं, जिससे ये सवाल खड़ा होता है कि क्या वो भारत के युवाओं को सरकार के खिलाफ आंदोलन करने के उकसा रहे हैं? ये आरोप बीजेपी लगा रही है।

पिछले कुछ महीनों में जेन-जी युवाओं ने सिर्फ नेपाल में सरकार के खिलाफ हिंसक आंदोलन नहीं किया है, बल्कि मोरक्को, मेडागास्कर, पेरू, फिलीपींस, केन्या और यहां तक कि इंडोनेशिया में भी चुनी हुई सरकारों के खिलाफ जेन-जी युवा हिंसक आंदोलन कर चुके हैं और इनमें कुछ देशों में उन्होंने तख्तापलट भी कर दिया है. पिछले साल बांग्लादेश में भी जो तख्तापलट हुआ था, उसके पीछे भी जेन-जी छात्रों का हिंसक आंदोलन था, जिससे अब बीजेपी राहुल गांधी की मंशा पर सवाल उठा रही है। जिस तरह से विदेशी ताकतें भारत के बढ़ते कदमों को रोकना चाहती हैं। ऐसे में विपक्ष खासकर कांग्रेस नेताओं की बयानबाजी और व्यवहार इस ओर इशारा करता है कि वो सत्ता हासिल करने के लिए वोट की बजाय तख्तापलट पर ज्यादा यकीन करते हैं। कुल मिलाकर जमीन और जनता से कटे नेता और राजनीतिक दल बिहार चुनाव में अपनी हार को देखकर वोट चोरी का पुराना राग अभी से गाने लगे हैं। राहुल गांधी वोट चोरी का राग सबसे ऊंची आवाज में गा रहे हैं।

## भारत में राज्य सरकारों के ऋणों में भारी वृद्धि इन राज्यों की अर्थव्यवस्था को ले डूबेगी

किसी भी नागरिक, वाणिज्यिक संस्थान, राज्य सरकार अथवा केंद्र सरकार द्वारा उत्पादक कार्यों के लिए बाजार से ऋण लेना केवल तब तक ही सही हैं जब तक बाजार से लिए गए ऋण से कम से कम उस स्तर तक आय का अर्जन हो कि इस ऋण के ब्याज एवं किश्त का भुगतान इस आय से आसानी से किया जा सके। परंतु, किसी भी व्यक्ति अथवा संस्थान द्वारा बाजार से ऋण यदि अनुत्पादक कार्य के लिए लिया जा रहा है तो इस ऋण के ब्याज एवं किश्त का भुगतान करना निश्चित ही मुश्किल कार्य हो सकता है। आज भारत के कुछ राज्यों की बजटीय स्थिति पर भारी दबाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है क्योंकि इन राज्यों ने बाजार से भारी मात्रा में ऋण लिया हैं एवं इस ऋण का उपयोग अनुत्पादक कार्यों यथा बिजली के बिल माफ करना, नागरिकों के खातों में सीधे राशि जमा करना, मुफ्त पानी उपलब्ध कराना, कुछ पदार्थों पर सब्सिडी उपलब्ध कराना, आदि के लिए किया जा रहा है। इन राज्यों की स्थिति इस कदर बिगड़ चुकी है कि इन्हें ऋणों पर अदा किए जाने वाले ब्याज एवं किश्तों के भुगतान हेतु भी ऋण लेना पड़ रहा हैं। यदि कुछ और वर्षों तक इन राज्यों की यही स्थिति बनी रही तो निश्चित ही यह राज्य दिवालिया होने की स्थिति में पहुंच जाने वाले हैं।

हाल ही के कुछ वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा भी बाजार से ऋण लेने की राशि में वृद्धि देखी जा रही है। वर्ष 2019 में केंद्र सरकार पर 1.74 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण बकाया था जो वर्ष 2025 में, लगभग दुगना होते हुए, बढ़कर 3.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है और वर्ष 2029 तक इसके 4.89 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर तक हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। इस प्रकार, भारत सरकार का ऋण, भारत के सकल घरेलू उत्पाद के 80 प्रतिशत के स्तर को पार कर गया है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों की निर्भरता ऋण पर लगातार बढ़ती हुई दिखाई दे रही है जिसे देश की अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य की दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता है। आज केंद्र सरकार पर 200 लाख करोड़ रुपए की राशि का ऋण बकाया है एवं समस्त राज्य सरकारों पर 82 लाख करोड़ रूपए का ऋण बकाया है, इस प्रकार केंद्र एवं राज्य सरकारों पर संयुक्त रूप से 282 लाख करोड़ रुपए का ऋण बकाया है जो देश के सकल घरेलू उत्पाद का 81 प्रतिशत है।

एक तरह से भारतीय अर्थव्यवस्था ऋण के ऊपर विकसित की जा रही है। जबकि, भारतीय आर्थिक दर्शन ऋण पर निर्भरता को प्रोत्साहन नहीं देता है। चाणक्य के अर्थशास्त्र में, राजा के पास कोष में आधिक्य होने का वर्णन मिलता

है। राजा के पास यदि ऋण के स्थान पर कोष का आधिक्य होगा तब वह राज्य अपने नागरिकों के कल्याण पर अधिक राशि खर्च करने की स्थिति में रहेगा। अर्थात, प्राचीन भारत में राज्यों का आधिक्य का बजट रहता था, उसी स्थिति में वे राज्य अपने नागरिकों के कल्याण के कार्यों को तेज गति से चलाने की स्थिति में रहते थे। राज्य का खजाना ही यदि खाली हो तो वे किस प्रकार से राज्य के नागरिकों के लिए भलाई के कार्य कर सकते हैं। आज की स्थिति, बिलकुल विपरीत दिखाई देती है और आज कुछ राज्य बाजार से ऋण लेकर भी नागरिकों को मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध करा रहें हैं बगैर यह सोचे समझे कि आगे आने वाले समय में बाजार से लिए गए ऋण का भुगतान किस प्रकार किया जाएगा।

आज भारत में कुछ राज्यों की स्थिति यह है कि वे अपनी कुल आय का 55 प्रतिशत भाग कर्मचारियों को वेतन, पेन्शन एवं उधार ली गई राशि पर ब्याज के भुगतान करने जैसी मदों पर खर्च कर रहे हैं। जबकि, विभिन्न राज्य अपनी आय को बढ़ा सकने की स्थिति में नहीं है। कुछ राज्य तो वर्ष भर में जिस आय की राशि का आंकलन करते हैं उसे प्राप्त ही नहीं कर पाते हैं और बजटीय आय की राशि एवं वास्तविक आय की राशि में 11 प्रतिशत तक की कमी रहती है, जबकि इन राज्यों के खर्च नियमित रूप से बढ़ते जा रहे हैं और इस प्रकार इन राज्यों का बजटीय घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है और अब यह असहनीय स्थिति में पहुंच गया है।

आज राज्यों की कुल आय का 84 प्रतिशत भाग स्थिर मदों पर खर्च हो रहा है। प्रदेश को आगे बढ़ाने एवं आर्थिक रूप से सम्पन्न बनाने के लिए कुछ राशि इन राज्यों के पास उपलब्ध ही नहीं हो पा रही है। पूंजीगत खर्चों में लगातार हो रही कमी के चलते इन राज्यों में नए अस्पतालों का निर्माण, नए रोड का निर्माण नए स्कूल हेतु भवनों का निर्माण नहीं हो पा रहा हैं, जिससे रोजगार के नए अवसर भी निर्मित नहीं हो पा रहे हैं। पंजाब में कुल आय का 76 प्रतिशत भाग कर्मचारियों के वेतन, पेन्शन एवं ऋण पर ब्याज अदा करने जैसी मदों पर खर्च हो रहा है इसी प्रकार हिमाचल प्रदेश में 79 प्रतिशत एवं केरल में 71 प्रतिशत भाग उक्त मदों पर खर्च किया जा रहा है। साथ ही, कुछ राज्यों द्वारा अपनी कुल आय का भारी भरकम हिस्सा सब्सिडी जैसी मदों पर खर्च किया जा रहा है। जैसे, पंजाब द्वारा अपने बजटीय आय का 24 प्रतिशत भाग सब्सिडी पर खर्च किया जा रहा है। इसी प्रकार, हिमाचल प्रदेश द्वारा 5 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश द्वारा 15 प्रतिशत, तमिलनाडु द्वारा 12 प्रतिशत एवं राजस्थान द्वारा 13 प्रतिशत राशि सब्सिडी पर खर्च की जा रही है। पंजाब द्वारा तो अपने बजट की 100 प्रतिशत राशि (24 प्रतिशत सब्सिडी पर एवं 76 प्रतिशत राशि वेतन, पेन्शन एवं ब्याज पर खर्च की जा रही है) सामान्य मदों पर खर्च की जा रही है और पूंजीगत खर्चों के लिए शून्य राशि बचती है।

विभिन्न राज्यों द्वारा पेन्शन की मद पर वर्ष 1980-81 में अपने राज्य की कुल आय का केवल 3.4 प्रतिशत की राशि का खर्च किया जा रहा था जो वर्ष 2021-22 में बढ़कर 24.3 प्रतिशत हो गया। इसी कारण से भारत सरकार ने पेन्शन अदा करने के नियमों में परिवर्तन किया था। आज यदि पेन्शन की नीति को नहीं बदला गया होता तो इस मद पर होने वाला खर्च बढ़कर 30 प्रतिशत के आसपास पहुंच जाता।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश के कई राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च को घटाया है। वर्ष 2015-16 से वर्ष 2022-23 के बीच राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च में 51 प्रतिशत तक की कमी की है। दिल्ली में 38 प्रतिशत, पंजाब में 40 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 41 प्रतिशत पश्चिम बंगाल में 33 प्रतिशत से पूंजीगत खर्चों में कमी दर्ज हुई है। आज कई राज्य सरकारें सब्सिडी प्रदान करने की मद पर अपने खर्चों को लगातार बढ़ा रहीं हैं एवं पूंजीगत खर्चों को लगातार घटा रही हैं, जो उचित नीति नहीं कही जा सकती है। इस प्रकार तो इन राज्यों की अर्थव्यवस्थाएं शीघ्र ही डूबने के कगार पर पहुंच जाने वाली हैं। इन राज्यों में हिमाचल प्रदेश, केरल, पश्चिमी बंगाल जैसे राज्य शामिल हैं।

सब्सिडी, वेतन, पेन्शन एवं ब्याज जैसी मदों पर लगातार बढ़ रहे खर्चों के कारण आज 15 राज्यों का बजटीय घाटा कानूनी रूप से निर्धारित 3 प्रतिशत की सीमा से ऊपर हो गया है। हिमाचल प्रदेश में बजटीय घाटा बढ़कर 4.7 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 4.1 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 4.2 प्रतिशत एवं पंजाब में 3.8 प्रतिशत के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है।

इसी क्रम में ध्यान में आता है कि मध्य प्रदेश सरकार ने 5200 करोड़ रुपये का नया कर्ज लेने का निर्णय लिया है। यह फैसला इसलिए चर्चा में है क्योंकि भाईदूज के अवसर पर ह्यलाड़ली बहना योजनाह्न के अंतर्गत 1.27 करोड़ महिलाओं के खातों में राशि समय पर नहीं पहुंच पाई थी। इसके बाद सरकार ने प्रदेश स्थापना दिवस पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए ऋण लेने का रास्ता चुना है। जब किसी राज्य को सामाजिक योजनाओं पर खर्च के लिए ऋण लेना पड़े तो यह स्थिति उस प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए उचित नहीं कही जा सकती है। मध्यप्रदेश द्वारा ऋण लेने की रफ्तार पिछले कुछ वर्षों में कुछ तेज हुई है। मार्च 2024 तक मध्यप्रदेश राज्य पर 3.7 लाख करोड़ रुपये का कर्ज था, जो अब बढ़कर 4.8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। जबकि, मध्यप्रदेश की आय में इस रफ्तार से वृद्धि नहीं देखी जा रही है। वित्तीथय अनुशासन की दृष्टि से यह स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि ब्याज भुगतान का बोझ हर साल बढ़ता जा रहा है। हिमाचल प्रदेश, पंजाब, केरल एवं पश्चिम बंगाल की राह पर कहीं मध्यप्रदेश राज्य भी तो नहीं चल पड़ा है।

# जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में मतदेय स्थलों के संभाजन के संबंध में हुई बैठक

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में मतदेय स्थलों के सम्भाजन के संबंध में समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्यीय, राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ गांधी सभागार कलक्ट्रेट में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में तहसीलों से प्राप्त प्रस्तावित मतदेय स्थलों की सूची राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई। प्रस्तावित मतदेय स्थलो के सम्बन्ध में राजनैतिक दलों एवं समस्त उप जिलाधिकारियों से विचार-विमर्श किया गया। उन्होने समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्यीय राजनैतिक दलो के प्रतिनिधियों से कहा कि निर्वाचन क्षेत्र के मतदेय स्थलो के सम्बन्ध में आपके कोई भी सुझाव हो तो जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध करायें और सुझाव के साथ-साथ यदि कोई आपत्ति हो तो उसको भी दर्ज करा सकतें है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदेय स्थलों के सम्भाजन के संबंध में आयोग के निदेशों का शत प्रतिशत अनुपालन किया जाए। मतदाताओं को बेहतर अनुभव प्रदान करने एवं सुगमता बढ़ाने हेतु 1200 से अधिक मतदाता वाले मतदेय स्थलों का सम्भाजन कराया जाये। आयोग द्वारा यह अपेक्षा की गई है कि एक पोलिंग स्टेशन लोकेशन पर मतदेय स्थलों के मध्य यथासंभव उचित संख्या में मतदाता हो और कोई भी परिवार न टूटे तथा परिवार के सभी सदस्य समान अनुभाग एवं समान स्थान पर रखें जायें। विशेष परिस्थितियों में 300 से कम मतदाता वाले मतदेय स्थलों को रखा जाना अपरिहार्य हो, तो प्रस्ताव (अनुलग्नक-1) में उस मतदेय स्थल को बनाये रखे जाने के सम्बन्ध में स्पष्ट कारण का उल्लेख कर दिया जाय। शहरी क्षेत्रों में जहाँ नयी आवासीय कालोनियां गत कुछ वर्षों में बनी हैं और उसमें नागरिक निवास करने लगे हैं तो वहाँ पर यथावश्यकता नया पोलिंग स्टेशन बनाया जाए। अत्यधिक पुराने व जर्जर भवन वाले मतदेय स्थलों को उसी मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत उपलब्ध स्थायी भवन में स्थानान्तरित कर दिया जाए। अस्थायी निर्माण वाले मतदेय स्थलों को उसी मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत उपलब्ध स्थायी भवन में स्थानान्तरित कर दिया जाए।

ऐसे मतदेय स्थलों को चिन्हित किया जाए, जो मुख्य गाँव/बस्ती से पर्याप्त दूरी पर हैं, उन मतदेय स्थलों को वहाँ से हटाकर मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत किसी सुविधाजनक भवन में स्थापित किया जाए। यह भी सुनिश्चित कर लिया जाए कि पोलिंग स्टेशन की दूरी लगभग 02 कि०मी० से अधिक न हो। जिन मतदेय स्थलों के भवन पुराने व जर्जर नहीं हैं तथा जहाँ मतदाताओं को 02 कि०मी० से अधिक दूरी चलने की आवश्यकता नहीं है, ऐसे मतदेय स्थलों की स्थिति में परिवर्तन नहीं किया जाए। कोई मतदेय स्थल यदि अपने मतदान क्षेत्र (ढङ्ग'ल्लॅ अर्१) में उपयुक्त भवन न उपलब्ध होने के कारण मतदान क्षेत्र से बाहर स्थित है और अब मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत उपयुक्त भवन उपलब्ध हो गया है तो ऐसे मतदेय स्थल को अपने मतदान क्षेत्र के अन्दर स्थित भवन में शिफ्ट कर दिया जाए। यदि भौतिक सत्यापन में किसी मतदेय स्थल के संबंधित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के बाहर स्थित होने का मामला प्रकाश में आता है तो ऐसे पोलिंग स्टेशनों को परिवर्तित कर विधानसभा क्षेत्र के अन्दर स्थापित किया जाए। सभी मतदेय स्थल भवनों के यथासम्भव भूतल पर होना सुनिश्चित किया जाए। दिव्यांगजनों और अशक्त मतदाताओं की सुविधा के लिये प्रत्येक मतदेय स्थल पर रैम्प की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।किसी भी राजनैतिक दल या लेबर यूनियन के कार्यालय से 200 मीटर के अन्दर कोई भी मतदेय स्थल नहीं बनाया जाए। यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि मतदेय स्थलों के सम्भाजन के पश्चात मतदेय स्थलों के स्थान में अंतिम क्षणों में परिवर्तन की आवश्यकता न रह जाय। यदि कोई मतदेय स्थल निजी भवन में स्थापित है और वहां यदि शासकीय भवन उपलब्ध हो गये हैं तो उक्त मतदेय स्थलों को शासकीय भवनों में स्थानान्तरित कर दिया जाय। यदि कोई मतदेय स्थल दुकान / व्यवसायिक प्रतिष्ठान/व्यक्तिगत सामुदायिक केन्द्र / विवाह घर अथवा ऐसे भवन, जिनका स्वामित्व किसी राजनैतिक व्यक्ति के पास है, ऐसे मतदेय स्थलों हेतु विकल्प तलाश कर उनको स्थानान्तरित कर दिया जाय। मतदेय स्थलों को बनाते समय ए०एम०एफ० (सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाये) सम्बन्धी सुविधाओं का भी ध्यान रखा जाय।

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के परिप्रेक्ष्य में जिलाधिकारी ने सभी राजनैतिक दलों से अनुरोध करते हुये कहा कि उक्त कार्य में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए विधानसभा क्षेत्रवार अपनी पार्टी के बूथ लेवल एजेण्ट (बी0एल0ए0) की नियुक्ति करते हुए उसकी सूची संबधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में तथा एक प्रति जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध करा दें। उन्होनें कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उक्त विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दौरान कोई भी पात्र व्यक्ति छूट न जाए और कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो के निर्देश दिये हैं।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्रीमती गरिमा सिंह, भारतीय जनता पार्टी से चंद्रभान सिंह भाटी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से फैज आलम राईनी, बहुजन समाज पार्टी से डॉ0 जफर महमूद, समाजवादी पार्ट से ऋषिपाल सिंह, उप जिलाधिकारी हसनपुर पुष्करनाथ चौधरी, उप जिलाधिकारी सदर शैलेश कुमार दुबे,उप जिलाधिकारी धनौरा विभा श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी नौगांवा सुनीता सिंह, उप जिलाधिकारी बृजपाल सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

## 108 और 102 एंबुलेंस सेवा के मेडिकल टेक्नीशियन के लिए मंडल स्तरीय प्रशिक्षण का किया गया आयोजन



**हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):-** सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 108 और 102 एंबुलेंस सेवा के मेडिकल टेक्नीशियन के लिए मंडल स्तरीय प्रशिक्षित का आयोजन किया गया। ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विस द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में चौथा बैच शुक्रवार को संपन्न हुआ, यह प्रशिक्षण एएनएम ट्रेनिंग सेंटर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हसनपुर में आरम्भ हुआ। इस प्रशिक्षण में बिजनौर, मुरादाबाद, संभल, रामपुर, हापुड़ और अमरोहा जिले के 108 हुए 102 एंबुलेंस सेवा के इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन (ईएमटी) ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंदों को समय- समय पर एंबुलेंस की सेवा मुहय्या कराना और अधिक से अधिक लोगो की जिन्दगी को बचाना है। लखनऊ से आए प्रशिक्षक को मोहम्मद फैजान और कमल जोशी और क्वालिटी ऑडिटर रजनीश कुमार ने ईएमटी को प्राथमिक उपचार देने मरीजो को सुरक्षित अस्पताल में पहुंचाने की जानकारी दी। और एंबुलेंस में मौजूद सभी उपकरणों के उपयोग और उनकी उपस्थिति के बारे में जानकारी देकर अवगत कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान 108 एवं 102 एंबुलेंस सेवा के रीजनल मैनेजर प्रशांत पंघाल, प्रोग्राम मैनेजर विक्रांत शर्मा और डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर गौरव यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। एंबुलेंस संचालक संस्थापक ईएमआर ग्रीन हेल्थ सर्विस द्वारा यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष में दो बार पूरे उत्तर प्रदेश में आयोजित किया जाता है।

# थाना अमरोहा देहात का पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण, संबंधित को दिए आवश्यक दिशा निर्देश





**अमरोहा (सब का सपना):-** पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा थाना अमरोहा देहात का भ्रमण कर थाना परिसर में आवासीय बैरक के मरम्मत कार्य तथा थाने पर बने मिशन शक्ति केन्द्र का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा मरम्मत कार्य की गुणवत्ता, सामग्री की गुणवत्ता, कार्य की प्रगति एवं निर्माण स्थल की सुरक्षा व्यवस्था का गहनता से अवलोकन किया गया। उन्होंने उपस्थित अभियंता एवं निर्माण कार्य से जुड़े अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य को उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप, समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से पूर्ण कराया जाए ताकि पुलिस कर्मियों को शीघ्र ही बेहतर आवासीय सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सकें। इसके पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना परिसर में स्थापित ह्लमिशन शक्ति केन्द्रह्व का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं, महिला हेल्प डेस्क के संचालन, शिकायतों के निस्तारण की स्थिति तथा रिकॉर्ड संधारण प्रणाली की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। उन्होंने महिला हेल्प डेस्क पर तैनात अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित किया कि महिला एवं बालिकाओं से संबंधित शिकायतों पर संवेदनशीलता, त्वरित कार्यवाही एवं सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति केन्द्र महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण की दिशा में राज्य सरकार की महत्वपूर्ण पहल है, जिसे प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जाना आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिसकर्मियों को यह भी निर्देशित किया गया कि थाना परिसर की स्वच्छता, अनुशासन एवं जनसंपर्क व्यवहार पर विशेष ध्यान दिया जाए जिससे जनता का विश्वास और अधिक सशक्त हो।

# भयंकर आग लगने से डीसीएम (कैंटर) हुआ खाक

**हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):-** शुक्रवार की सुबह दिल्ली से बिलारी की तरफ जा रही कपड़े से भरी डीसीएम (केंटर) में भीषण आग लगने से बड़ा हादसा हुआ। आग इतनी भयंकर हो चुकी थी, कि कुछ ही मिनटो में पूरी गाड़ी चलकर तबाह हो गई, लेकिन चालक ने चलती हुई गाड़ी से कुदकर अपनी जान बचाई। बता दें, कि शुक्रवार की सुबह लगभग 5:00 बजे संभल बाईपास मार्ग पर हुई इस भयानक घटना ने लोगों के दिलों में दहशत पैदा कर दी, और आसपास के इलाकों में अफरा तफरी का माहौल बन गया। कपड़ा लदा होने के कारण डीसीएम (केंटर) ने आग को तुरंत अपने आगोश में ले लिया और एक भयंकर रूप धारण कर लिया। सूत्रों के अनुसार इस डीसीएम (केंटर) का स्वामी हसनपुर का बताया जा रहा है। सूत्रों की माने तो, आग लगने के अलग-अलग वजह सामने आई है। स्थानीय लोगो का कहना है, कि बिजली की लाइन की चपेट में आने से डीसीएम (केंटर) में आग लगी और डीसीएम (केंटर) के चालक का कहना है, कि अज्ञात शरारती तत्वों ने जानबूझकर गाड़ी में आग लगाई। सूचना मिलते ही तत्काल फायर ब्रिगेड की टीम व पुलिस मौके पर पहुंची, और कड़ी मशक्कत करने के बाद तकरीबन 1 घंटे में दमकल विभाग द्वारा आग पर पूर्ण काबू किया गया। लेकिन डीसीएम (केंटर) पूर्ण तरीके से जलकर खाक होने से नहीं बच पाई। इस घटना से कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। और पुलिस द्वारा मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

## उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान द्वारा 11 नवंबर को विकास भवन में की जाएगी महिला जनसुनवाई

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिले के जिला प्रोबेशन अधिकारी ने अवगत कराया कि सर्व सामान्य सूचित किया जाता है कि उत्तर प्रदेश महिला आयोग द्वारा प्रदेश में महिला उत्पीडन की रोकथाम एवं पीडित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने तथा आवेदक/आवेदिकाओं को सुगमता की दृष्टि से प्रदेश के विभिन्न जनपदों के स्थानीय गेस्ट हाउस / सर्किट हाउस में सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी की ओर से नामित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अथवा उनकी ओर से नामित वरिष्ठ जनपदीय पुलिस अधिकारी, महिला थानाध्यक्ष एंव सम्बन्धित थाने के क्षेत्राधिकारी के साथ जनपद अमरोहा में महिला उत्पीडन की घटनाओं की समीक्षा / महिला जनसुनवाई / निरीक्षण का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उक्त के क्रम में जनपद अमरोहा में माह नबम्बर दिनांक 11 नवंबर को पूर्वान्ह 11:00 बजे विकास भवन सभागार कक्ष अमरोहा में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष, बबीता सिंह चौहान द्वारा, उपस्थित महिलाओ द्वारा प्रस्तुत नवीन प्रार्थना पत्रों पर महिला जनसुनवाई की जानी हैं। अतः आप सभी से अनुरोध है कि उक्त महिला जनसुनवाई में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी समस्या का समाधान करायें। इसके साथ-साथ महिला सुनवाई के अतिरिक्त जनपद अमरोहा के राजकीय बालिका इण्टर कालेज में बालिकाओं के साथ शक्ति संवाद कार्यकम भी किया जायेगा।

# गजरौला क्षेत्र में मकान निर्माण के दौरान लेंटर मशीन का पाईप गिरने से मजदूर की मौत

**गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):-** नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव में मकान निर्माण के दौरान लेंटर मशीन का पाइप गिरने से मजदूर की मौत हो गई। यह हादसा मकान निर्माण के दौरान हुआ। बता दें कि नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव सिहाली जागीर में एक मकान निर्माण के दौरान निर्माण स्थल पर लेटर मशीन का पाइप गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई, यह घटना गांव निवासी आफाक खान के घर मकान बनाते समय हुई। मृतक मजदूर की शिनाख्त गांव शेरगढ़ निवासी मूलचंद के रूप में की गई। बताया जा रहा है कि काम के दौरान अचानक लेंटर मशीन का पाइप मूलचंद के ऊपर गिर गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आनन फानन में घायल मूलचंद को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही मूलचंद ने दम तोड़ दिया। हादसा होते ही घटनास्थल पर लोगों की भीड़ का जमावड़ा लग गया। हादसे की सूचना पुलिस को दी गई जिसके बाद पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।




# राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर अमरोहा पुलिस द्वारा सामूहिक राष्ट्रीय गीत का गायन

**अमरोहा (सब का सपना):-**राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पुलिस लाइन अमरोहा में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद की उपस्थिति में जनपद के सभी पुलिस अधिकारी/कर्मचारीयो द्वारा सामूहिक रूप से राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् का गायन किया गया एवं प्रधानमंत्री का लाइव संबोधन देखा व सुना गया। शुक्रवार को वंदे मातरम के 150 वर्ष कार्यक्रम का आयोजन देशभर में अत्यंत श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली से राष्ट्र को संबोधित करते हुए वंदे मातरम गीत की 150वीं वर्षगांठ पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की अभिव्यक्ति है। इसने स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा और शक्ति दी। उन्होंने कहा कि इस गीत ने हर भारतीय के मन में मातृभूमि के प्रति अपार प्रेम, समर्पण और गर्व की भावना को जागृत किया है। मोदी जी ने युवाओं से आान किया कि वे इस गीत की भावना को अपने कर्म में ढालें और भारत को आत्मनिर्भर एवं विश्वगुरु बनाने में योगदान दें। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम का अर्थ केवल मां की वंदना नहीं, बल्कि राष्ट्र की सेवा का संकल्प भी है। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने पुलिस लाईन अमरोहा में उपस्थित पुलिसकर्मियों को राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् के ऐतिहासिक महत्व, इसकी रचना की पृष्ठभूमि एवं इससे जुड़ी देशभक्ति की भावना के बारे में अवगत कराया। उन्होंने कहा कि यह गीत देश की एकता, अखण्डता व स्वाभिमान का प्रतीक है, जिसने आजादी के आंदोलन में अपार प्रेरणा दी थी। कार्यक्रम के उपरांत पुलिस लाइन में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री जी का लाइव संबोधन देखा व सुना गया। माननीय प्रधानमंत्री जी ने अपने उद्बोधन में वन्दे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ को राष्ट्रीय गौरव का क्षण बताते हुए देशवासियों से राष्ट्रहित में निरंतर योगदान देने का आान किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त पुलिसकर्मियों को राष्ट्रप्रेम, अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ समाज सेवा हेतु सदैव तत्पर रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्राधिकारी, प्रतिसार निरीक्षक, थानाध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी उपस्थित रहे । कार्यक्रम का आयोजन पुलिस कार्यालय अमरोहा एवं समस्त थानो पर किया गया । कार्यक्रम के समापन पर सभी ने देशभक्ति से ओत-प्रोत वातावरण में भारत माता की जय के उदघोष के साथ राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने की इस ऐतिहासिक घड़ी को यादगार बनाया गया। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् भारत की एकता, देशभक्ति और मातृभूमि के प्रति श्रद्धा का अमर प्रतीक है।

## वंदे मातरम् का किया गया सामूहिक गान

**रहरा/अमरोहा (सब का सपना):-** राजकीय महाविद्यालय, गंगेश्वरी में राष्ट्रीय गीत (वंदे मातरम) के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार के आदेशानुसार महाविद्यालय परिसर में प्रातः 10 बजे राष्ट्रीय गीत (वंदे मातरम) का सामूहिक गान किया गया। इस शुभावसर पर प्राचार्या डॉ.वन्दना भारद्वाज, डा0 दलीप कुमार, चमन सिह, धर्मेन्द्र कुमार, अजय कुमार, तोताराम आदि उपस्थित रहे।


## कार्यालय पुलिस अधीक्षक जनपद अमरोहा

पत्रांकः-उ-08/2025 दिनांकः- 08,11,2025

**निविदा सूचना**

अवगत कराना है कि दिनांक 01.08.2024 से लागू होने वाले तीन नये कानून भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के कियान्वयन हेतु थानों के उपयोगार्थ उपकरण के क्रयार्थ GEM Portal पर BID के माध्यम से हैवी ड्यूटी प्रिन्टर के क्रय हेतु निविदा आमंत्रित की गयी है। जिसका विवरण निम्नवत है-

| क्र०सं० | BID Number | BID Published Date | उपकरण का नाम | उपकरण की संख्या | BID Opening Date |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | GEM/2025/B/ 6865531 | 08.11.2025 | हैवी ड्यूटी प्रिन्टर | 8 | 17.11. 2025 |

(विस्तृत जानकारी किसी भी कार्यदिवस में प्रतिसार निरीक्षक कार्यालय, पुलिस लाईन जनपद अमरोहा से प्राप्त कर सकते हैं।)

पुलिस अधीक्षक
जनपद अमरोहा।

# जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत कौराला में जन चौपाल का आयोजन

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में ग्राम कौराला, विकास खण्ड-धनौरा जनपद अमरोहा मैं ग्राम चौपाल (संवाद से समाधान) और पर्यावरणीय सुरक्षा एवं संरक्षण के उद्देश्य से ग्रीन चौपाल का आयोजन किया गया। इस चौपाल का मुख्य उद्देश्य ग्राम वासियों की समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण करना है सरकार द्वारा जो योजनाएं संचालित है वह ग्राम वासियों की जो पात्र हैं उन्हें प्राप्त हो रही है अथवा नहीं। ग्राम प्रधान अनीता द्वारा जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी को बुके देकर स्वागत किया तदोपरांत स्वयं सहायता समूह की दीदियो द्वारा स्वागत गीतकार जिलाधिकारी का स्वागत किया गया सर्वप्रथम जिलाधिकारी ने वंदे मातरम के 150 बर्ष पूरे होने पर वंदे मातरम का गायन ग्राम वासियों के साथ किया। तदोपरांत जिलाधिकारी महोदय ने गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म की और छोटी बच्चियों को अन्नप्राशन कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। जिलाधिकारी महोदय द्वारा एएनएम शरदाना के अनुपस्थित होने पर स्पष्टीकरण के आदेश दिए और इसी प्रकार आंगनबाड़ी कार्यकत्री निर्देश देवी द्वारा कार्य संतुष्ट पूर्वक ना पाए जाने पर स्पष्टीकरण के आदेश दिए। ग्राम चौपाल में जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य, विद्युत, जल, शौचालय, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, मनरेगा, तालाबों के सौंदर्य करण, स्वयं सहायता समूह के कार्य, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांगजन पेंशन, निरश्रित पेंशन, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि, यूरिया आदि से संबंधित समस्याएं और योजनाओं का लाभ पात्र को प्राप्त हो रहा है अथवा नही विस्तृत जानकारी प्राप्त कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला पंचायत राज्य अधिकारी पारुल सिसोदिया जी ने जिलाधिकारी को जानकारी देते हुए कहा कि वर्ष 2011 की जनगणना के जनगणना के अनुसार गांव की जनसंख्या 1661 है जिसमें से 797 स्त्री हैं और 310 परिवार निवास करते हैं। जिलाधिकारी के समक्ष ग्राम वासियों ने विद्युत की समस्या रखी उन्होंने कहा कि कनेक्शन तो हो गए हैं लेकिन लाइट नहीं आ रही है जिसके कनेक्शन हुए हैं जिसके लिए जिलाधिकारी ने दो दिन के अंदर समस्या का निस्तारण करने के निर्देश संबंधित को दिए इसी प्रकार जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय में मिड डे मील बुक्स वितरण बच्चे आ रहे हैं टीचर समय से आ रहे हैं सही प्रकार पढ़ रहे हैं आदि की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आशा आंगनबाड़ी और एएनएम के बारे में जानकारी प्राप्त ग्राम वासियों से की और पूछा एएनएम द्वारा कैंसर की जांच टीकाकरण गर्भवती महिलाओं की जांच बच्चों का वजन बच्चों का टीकाकरण टीबी की जांच की जाती है अथवा नहीं। जिलाधिकारी के समक्ष ग्राम वासियों ने सरकारी जमीन पर गोबर डालने की शिकायत की जिस पर जिलाधिकारी ने तुरंत लेखपाल को मौके पर जाकर निस्तारण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने ग्राम में 70 वर्ष से अधिक वृद्धो के तीन दिन में आयुष्मान कार्ड बनाए जाने और आता आईडी बनाए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने ग्राम वासियों से हेड पंप पाइपलाइन योजना कनेक्शन आदि की जानकारी ली जिस पर ग्राम वासियों द्वारा बताया गया की पाइपलाइन बिछाने के उपरांत सड़क टूटी फूटी हुई है जिसकी कोई मरम्मत नहीं की जा रही है जिसको लेकर जिलाधिकारी ने एक सप्ताह में कार्य करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा अपनी समिति को टेस्टिंग किट उपलब्ध कारण जिससे वह पीने योग्य पानी की पहचान कर ग्राम वासियों को बताएं। मनरेगा के अंतर्गत ग्राम में 358 जॉब कार्ड के सापेक्ष 98 जॉब कार्ड धड़क कार्य कर रहे हैं जिसके लिए जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देश दिए की जॉब कार्ड का सत्यापन कर अपात्र को काटे। ग्राम में संचालित 09 समूह की जानकारी एसबीएमएम से प्राप्त की और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से प्राप्त धनराशि के अंतर्गत क्या व्यवसाय किया जा रहा है कि पूर्ण जानकारी ली इसके संबंध में एसबीएमएम को पूर्ण जानकारी न होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। जिलाधिकारी ने वृद्धावस्था दिव्यांगजन राजरित राशन कार्ड सत्यापन किसान सम्मन निधि आदि के निस्तारण के लिए कैंप लगाए जाने के निर्देश दिए और का जो पात्र हैं उनको उक्तियोजनाओं का लाभ अवश्य मिले जिसमें किसी प्रकार की लापरवाही ना हो यदि कोई अपात्र इस योजना का लाभ प्राप्त कर रहा है तो उसके नाम तुरंत काटे जाएं। जिलाधिकारी के समक्ष ग्राम वासियों ने ग्राम में खेल मैदान की मांग की जिस पर गांव में ही 18 बीघा जमीन खेल मैदान के लिए है जिसके लिए मिनी स्टेडियम बनाने की मांग के लिए खंड विकास अधिकारी को निर्देश दिए जांच उपरांत प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि गांव में विकास की बात सबके सहयोग से होती है जो भी सरकार की योजनाएं संचालित हैं उनका लाभ प्राप्त करें पात्र व्यक्ति और उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत लोगों से अपील की इस योजना का लाभ उठाकर रोजगार अपने और उन लोगों को भी रोजगार दें। उन्होंने कहा कि किसी कार्य करने के लिए स्वयं को सोचना होगा तभी आगे बढ़ सकते हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि हमें अपनी मृदा हवा आदि का ध्यान रखना चाहिए जिसके लिए मैं अपनी रिचार्ज करने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने होंगे और मृदा को स्वस्थ बनाए रखने के लिए कम से कम फर्टिलाइजर्स का उपयोग करना होगा। अंत में जिलाधिकारी द्वारा पंचायत घर प्रांगण में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, उप जिलाधिकारी धनोरा विभा श्रीवास्तव मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, पीडीडीआरडीए, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी,बखंड विकास अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे ।

## मंडी धनोरा में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर पुलिस थानों में हुआ सामूहिक गायन

**धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):-** शुक्रवार को मंडी धनोरा में लेखक बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित हमारे राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम् 'के 150 वर्ष पूर्ण होने पर नगर के पुलिस थानों व कार्यालय में सामूहिक गायन का आयोजन कराया गया। मंडी धनौरा थाने में थाना प्रभारी बालेंद्र कुमार ने सभी पुलिस कर्मियों के साथ राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' का गायन किया इस कार्यक्रम में सभी पुलिस कर्मियों ने राष्ट्र गौरव और देशभक्ति की भावना के साथ भाग लिया ।इस अवसर पर प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण भी सभी पुलिस थानों एवं कार्यालय में देखा गया ,इस तरह सभी पुलिस चौकियों, कार्यालयों और अन्य स्थानों पर भी राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित कराया गया। इस मौके पर मंडी धनौर थाना प्रभारी बालेंद्र कुमार के साथ सतीश कुमार, मोनिका तोमर ,राजेंद्र सिंह, रवि कुमार ,मोइन खान और दुर्गा सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

## अवैध मिट्टी खनन से बना गड्ढा धंसा, मिट्टी के नीचे दबकर महिला की मौत, कई घायल

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** जनपद के थाना बहजोई क्षेत्र के ग्राम नरौदा में अवैध मिट्टी खनन के कारण बने गड्ढे में मिट्टी धंसने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि कई महिलाएं और बच्चियां घायल हो गईं। पुलिस ने मुख्य आरोपी हरि सिंह को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य के खिलाफ तलाश तेज कर दी गई है। क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि थाना बहजोई पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव में मिट्टी धंसने से कुछ महिलाएं और बच्चियां दब गई हैं। सूचना पर तुरंत पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को निजी व सरकारी वाहनों से अस्पताल पहुंचाया गया। मृतका की पहचान भूदेई (पत्नी रमाशंकर) के रूप में हुई है। उनका शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जांच में पता चला कि गांव के बाहर राजवीर के खेत में वीरेश और हरि सिंह ने बिना अनुमति के अवैध रूप से मिट्टी का खनन किया था, जिससे एक बड़ा गड्ढा बन गया। महिलाएं और बच्चे उसी रास्ते से गुजर रहे थे, तभी मिट्टी का ढेर उनके ऊपर गिर पड़ा, जिससे वे दबकर घायल हो गए। पुलिस ने हरि सिंह को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। घटना में शामिल अन्य दो आरोपियों के लिए टीम गठित कर दी गई हैं, जिन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। घटना से गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस ने अवैध खनन पर सख्ती बरतने का आश्वासन दिया है।

## राजकीय इंटर कॉलेज में कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम के नोडल शिक्षक एवं प्रधानाचार्य का प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ

**अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं नोडल शिक्षकों के प्रशिक्षण का शुभारंभ जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ प्रवेश कुमार ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीपक प्रज्ज्वलित कर किया। कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम के नोडल शिक्षकों एवं प्रधानाचार्य का प्रशिक्षण राजकीय इंटर कॉलेज अमरोहा के सभासद में प्रारंभ हुआ। जिसमें प्रदेश स्तर के मास्टर ट्रेनर डॉक्टर धर्म सिंह प्रधानाध्यापक राजकीय हाई स्कूल बछरायूं एवं कु राघवा खानम प्रवक्ता राजकीय बालिका इंटर कॉलेज गजरौला ने प्रशिक्षण प्रदान किया। कैरियर गाइडेंस के अंतर्गत पंख पोर्टल के माध्यम से युवाओं को अपने कैरियर चुनने, विद्यालय में करियर हब गठित बनाने, करियर क्लब का गठन करने, पी टीएम की बैठक आयोजित करने एवं विद्यालय स्तर पर कैरियर गाइडेंस मेले के आयोजन के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में जनपद के राजकीय माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य नोडल शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर ललित कुमार प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज अमरोहा, मदनपाल सिंह जिला समन्वयक समग्र शिक्षा माध्यमिक, देवेंद्र प्रताप सिंह स्नेह लता पूनम रानी वर्मा किरन लता ओम प्रकाश सिंह विजयपाल सिंह संजीव कुमार राजेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

# जमीन जोतने के विवाद में दो पक्षों की भिड़ंत लाठी-डंडों और फायरिंग से 6 गंभीर घायल, 6 गिरफ्तार

**जुनावई/सम्भल(सब का सपना):-** जनपद के थाना जुनावई क्षेत्र में गंगा के खादर स्थित साधुमणि घाट से आगे साधुमाण जमीन जोतने को लेकर दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। दोनों पक्षों के लोग लाठी-डंडों से एक-दूसरे पर टूट पड़े और फायरिंग भी की गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना में दोनों पक्षों के कम से कम 15 लोग घायल हो गए, जिनमें 6 की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मौके से 6 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी तमंचा लहराते हुए फरार हो गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, प्रथम पक्ष के अन्तराम पुत्र साहब सिंह, हीरा पुत्र अंतराम,तोताराम पुत्र अंतराम, राजेश पुत्र अंतराम, रूपकिशोर पुत्र अन्तराम, सोपाली पुत्र अंतराम निवासीग्राम संतनगर तथा भगवान दास पुत्र विजेन्द्र सिंह, रामदास पुत्र विजेन्द्र सिंह निवासीग्राम रामनगर टप्पा वैश्य, सभी थाना जुनावई और उनके 5-6 अज्ञात साथी जमीन जोतने पहुंचे थे। द्वितीय पक्ष के दानवीर पुत्र चरण सिंह, दीपक पुत्र अनार सिंह, अंकित पुत्र ऋषिपाल, राजीव पुत्र अनेक सिंह, संकित पुत्र ऋषिपाल, अनेक सिंह पुत्र ज्ञान सिंह, बबलू पुत्र अनार सिंह, भुवनेश पुत्र अनार सिंह, अनार सिंह पुत्र ज्ञान सिंह निवासीग्राम खिरकवारी टप्पा वैश्य ,थाना जुनावई और उनके 7-8 अज्ञात साथी भी वहां मौजूद थे। दोनों पक्ष आपस में लाठी-डंडों से हमलावर हो गए। आरोप है कि फायरिंग भी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम उप निरीक्षक संदीप कुमार मय हमराही कांस्टेबल मुकुलदेव, मेला ड्यूटी कांस्टेबल दिनेश तथा चौकी काशीपुर से कांस्टेबल मुफीद व विक्की ने समझाने की कोशिश की, लेकिन दोनों पक्ष नहीं माने और उत्तेजित होकर एक-दूसरे पर जानलेवा हमले करते रहे। झड़प के दौरान गंगा घाट पर अंतिम संस्कार के लिए आए लोगों में भगदड़ मच गई। लोग जान बचाने के लिए खेतों में भागने लगे, जिससे लोक व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो गई। पुलिस ने पूर्ण बल प्रयोग कर शांति भंग करने वालों को रोका, लेकिन अपील बेअसर रही। पुलिस ने दोनों पक्षों के कई लोगों को पकड़ लिया। पुलिस अधीक्षक सम्भल के आदेश पर चलाए जा रहे वांछित/वारंटी अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी व क्षेत्राधिकारी गुन्नौर के निर्देशन में थाना जुनावई टीम ने निम्न अभियुक्तों को हिरासत में लिया,रूपकिशोर पुत्र अन्तराम सोपाली पुत्र अंतराम (दोनों निवासी संतनगर) हीरा पुत्र अंतराम (उपचार के बाद हिरासत) बबलू पुत्र अनार सिंह भुवनेश पुत्र अनार सिंह (दोनों निवासी खिरकवारी) अंकित पुत्र ऋषिपाल (निवासी खिरकवारी टप्पा वैश्य) आरोपियों को आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है। इन्हें शुक्रवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा। फरार आरोपी अनार सिंह पुत्र ज्ञान सिंह तमंचा लहराते हुए भाग निकला, जिसे पकड़ने के लिए कांस्टेबल मुकुलदेव को भेजा गया, लेकिन वह हाथ नहीं आ सका। जिसमें अन्तराम पुत्र साहब सिंह,हीरा पुत्र अंतराम,तोताराम पुत्र अंतराम,राजेश पुत्र अंतराम (संतनगर)भगवान दास पुत्र विजेन्द्र सिंह,रामदास पुत्र विजेन्द्र सिंह (रामनगर) घायल हो गए और दूसरी ओर दानवीर पुत्र चरण सिंह,दीपक पुत्र अनार सिंह,अंकित पुत्र ऋषिपाल,राजीव पुत्र अनेक सिंह,संकित पुत्र ऋषिपाल,अनेक सिंह पुत्र ज्ञान सिंह (खिरकवारी) यह भी घायल हुए सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी जुनावई भेजा गया। इनमें से रामदास, दानवीर, दीपक, राजीव, संकित, भगवानदास, तोताराम, अंतराम व राजेश को एक्स-रे के लिए जिला अस्पताल सम्भल रेफर किया गया। अनेक सिंह को सीटी स्कैन के लिए रेफर किया गया है, जिसे परिजन अस्पताल ले गए।

## भारतीय हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने पर शताब्दी समारोह आयोजित

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** सिल्वर स्टोन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बहजोई में भारतीय हॉकी के शताब्दी वर्ष (Centenary Celebration 2025) के उपलक्ष्य में जिला खेल कार्यालय, संभल द्वारा एक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खेलों के प्रति उत्साह और राष्ट्रीय गौरव की भावना का संचार हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एसडीएम न्यायिक संभल वंदना मिश्र ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए खेलों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, शिक्षा के साथ खेलों का संतुलन बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। खेल जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास करते हैं। उनके उद्बोधन ने उपस्थित छात्रों और खिलाड़ियों में नई ऊर्जा का संचार किया। विशिष्ट अतिथियों में बहजोई नगर पालिका चेयरमैन राजेश शंकर राजू, प्रसिद्ध हॉकी खिलाड़ी गुरु अर्जुन सिंह और विद्यालय के प्रधानाचार्य संदीप शर्मा शामिल रहे। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए विद्यालय की कोऑर्डिनेटर साधना गुप्ता, जूडो कोच एकांश गुप्ता, गोविंद वशिष्ठ, फुटबॉल कोच नादिर राजा, शूटिंग कोच मयंक कुमार, एथलेटिक्स कोच नकुल तथा अन्य खेल प्रशिक्षक भी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें मेजर ध्यानचंद टीम, बहजोई ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। विजेता टीम को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में खेल अधिकारी प्रमिला भारती ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों और विद्यालय परिवार का धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसने सभी में देशभक्ति की भावना जागृत की। यह आयोजन भारतीय हॉकी के गौरवशाली इतिहास को याद करने और युवा पीढ़ी को खेलों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

# स्पोर्ट्स स्टेडियम में हॉकी का एक मैत्री मैच का आयोजन

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिले के स्पोर्ट्स स्टेडियम में भारतीय हॉकी की 100 वर्षों की उत्कृष्टता का जश्न मनाने की तैयारी में हॉकी का एक मैत्री मैच का आयोजन किया गया ' जिसका उद्घाटन उप जिलाधिकारी बृज पाल सिंह, उप जिलाधिकारी मसीहा नज्म और जिला ऑलंपिक संघ के महा सचिव डॉ एम पी शर्मा ने किया ' जिला क्रीड़ा अधिकारी देश कांत त्यागी ने बताया भारतीय हॉकी के 100 साल होने पर इसे पर्व के रूप में मनाया जाएगा 'यह हॉकी और उत्साह का पर्व होगा – हमारे लिए और हमारे लोगों के लिए। स्पोर्ट्स स्टेडियम, माली खेड़ा अमरोहा में 7 नवम्बर को सुबह 09 से दोपहर 12 के बीच भारतीय हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया गया। एक सदी पहले, 7 नवम्बर 1925 को भारतीय हॉकी एफआईएच से संबद्ध हुई थी – और उसके बाद जो हुआ वह केवल एक खेल का उदय नहीं था, बल्कि राष्ट्रीय गौरव का जन्म था। तीन वर्षों के भीतर ही आया एम्स्टर्डम 1928, और उसके साथ आया ऐतिहासिक ओलंपिक स्वर्ण पदक जिसने भारत को हॉकी महाशक्ति के रूप में स्थापित किया। आने वाले दशकों में तिरंगा विश्व मंच पर छा गया, भारत ने हॉकी इतिहास में सबसे अधिक 8 ओलंपिक स्वर्ण पदक, एक रजत और चार कांस्य पदक जीतकर दुनिया को अपना लोहा मनवाया। यह एक शानदार यात्रा रही है – कभी चुनौतियों भरी, तो कभी अद्भुत वापसी वाली। 1928 से 1959 का स्वर्ण युग भारत की खेल पहचान बना; 1980 और 90 के दशक ने उसकी विरासत की परीक्षा ली; और फिर आई पुनर्जागरण की लहर – टोक्यो 2020 के प्रतिष्ठित कांस्य पदक से लेकर पेरिस 2024 के एक और पोडियम फिनिश तक। 1975 विश्व कप विजय और पुरुषों व महिलाओं दोनों के लिए एशियाई खेलों में समृद्ध पदक उपलब्धियों के साथ, हॉकी आज भी भारत की खेल आत्मा में गहराई से रची-बसी है। शुक्रवार को भारत इस अद्भुत सदी का उत्सव मनाने को एक भावनात्मक प्रदर्शनी मैच स्पोर्ट्स स्टेडियम, अमरोहा में हुआ , जिसमें पुरुष और महिला खिलाड़ी एक ही मैदान पर उतरी – जो खेल के समावेशी भविष्य का प्रतीक हुआ। उप जिलाधिकारी बृज पाल सिंह ने कहा, यह शताब्दी भारतीय हॉकी की आत्मा को दशार्ती है – इसके नायकों, इसकी दृढ़ता और इसकी शानदार पुनर्जागरण यात्रा को। हमारे स्वर्णिम दिग्गजों से लेकर आज के युवा सितारों तक, इस यात्रा का हर कदम हमारे देश की खेल पहचान को आकार देता आया है। जब हम 100 वर्ष पूरे कर रहे हैं, तो हम अपने अतीत का सम्मान कर रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए नई ऊँचाइयाँ तय कर रहे हैं। उप जिलाधिकारी मसीहा नज्म ने कहा, ह्हॉकी हमेशा से भारत की जनता का खेल रहा है, और यह उत्सव हर उस प्रशंसक, खिलाड़ी और कोच के लिए है जिन्होंने इस भावना को ज़िंदा रखा। जब हम 500 से अधिक जिलों में यह जश्न मना रहे हैं, तो हम केवल इतिहास को याद नहीं कर रहे – हम भारतीय हॉकी की अगली सदी का निर्माण कर रहे हैं। जैसे-जैसे देश इस ऐतिहासिक दिन की ओर बढ़ रहा है, स्टेडियम, स्कूल और मैदान पूरे भारत में स्मृतियों, गर्व और नई ऊर्जा से भर रहे हैं। एक सदी पूरी – और एक नया युग शुरू होने को तैयार है। मैत्री मैच के निर्णायक मंडल में शिवम त्रिपाठी, मनीष कुमार त्यागी, अमित कुमार, अं'चल आदि रहे।

## गजरौला कोतवाली के सामने मृतक के परिजनों ने शव रखकर लगाया जाम

### पुलिस के खिलाफ हाय हाय के लगायें नारे

**गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):-** शुक्रवार को मृतक आकाश के परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही न करने पर शव को गजरौला कोतवाली के सामने रखकर जाम लगा दिया और पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। परिजनों का कहना है कि पुलिस आरोपियों को मुकदमें से बचा रही है। बताते चलें कि गजरौला थाना क्षेत्र के गांव चौबारा निवासी आकाश का शव के कच्चे रास्ते के पास पड़ा मिला था। जिस पर परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुये पुलिस को शिकायती पत्र दिया था। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया था। शुक्रवार को जैसे ही शव पोस्टमार्टम से आया तो परिजनों ने शव को गजरौला थाने के सामने रखकर हंगामा करना शुरू कर दिया। हंगामे के दौरान परिजनों ने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। परिजनों का आरोप है कि पुलिस हमारी नहीं सुन रही है ओर आरोपियों को बचा रही है। इसी बात से नाराज होकर परिजनों ने गजरौला थाने के सामने शव रखकर हंगामा करना शुरू कर दिया। हंगामे के दौरान धनौरा चांदपुर रोड पर करीब डेढ़ घंटे तक वाहन जाम में फंसे रहे इस दौरान दो से तीन किलो मीटर लंबा जाम लग गया जिसका खामियाजा आने जाने वालों को भुगतना पड़ा। वहीं हंगामे के दौरान मंडी धनौरा सीओ अंजलि कटारिया भी मौके पर पहुंच गईं जिन्होंने वहां मौजूद ग्रामीणों और परिजनों को उनकी इच्छा अनुसार कार्य कार्यवाही करने का आश्वासन देते हुए जाम खोलने की बात कही बावजूद इसके मृतक के परिजन और ग्रामीण रोड से नहीं हटे,हालांकि शाम के समय पुलिस ने परिजनों की इच्छानुसार चार युवकों के खिलाफ संबंधित धाराओ में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। वहीं गजरौला थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया मामले की जांच की जा रही तहरीर के मुताबिक चार लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

खबर एक्सप्रेस

## हिसार में बजरंग दल के सदस्य ने बिरयानी की दुकान चलाने वाले युवक से की मारपीट

हिसार : हिसार से बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां बिरयानी की दुकान चलाने वाले युवक को पीटते का वीडियो वायरल हो रहा है। ये घटना हिसार के कैंप चौक की है। ये वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में जो शख्स युवक को पीट रहा है, वह खुद को बजरंग दल का सदस्य बता रहा है। उसने बिरयानी की दुकान चलाने वाले युवक को गालियां दी और पिटाई की। साथ में कह रहा था कि मंगलवार के दिन मीट की दुकानें बंद है, तूने क्यों खोली है। युवक के साथ की मारपीट का वीडियो वायरल होने पर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

## यमुनानगर के इतिहास की सबसे बड़ी नशा तस्करी! करोड़ों की स्मैक समेत 2 तस्कर अरेस्ट

यमुनानगर : यमुनानगर के इतिहास की सबसे बड़ी नशा तस्करी को पकड़ने में पुलिस को बड़ी कायमाबी मिली है। दरअसल आज यमुनानगर पुलिस ने 1 किलो से अधिक स्मैक की सप्लाई करने वाले 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। फिलहाल दोनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी यूपी के हैं और दोनों को कोर्ट में पेश कर रिमांड लिया जाएगा। इस मामले में कई खुलासे होने की उम्मीद है। एएसपी अमरिंदर सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर टीम में पश्चिमी यमुना नहर पुल के पास 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से एक थैली के अंदर एक किलो 112 ग्राम समैक बरामद हुई, जोकि एक बड़ी नशे की खेप बताई जा रही है। इससे पहले एंटी नारकोटिक सेल में 600 ग्राम स्मैक बरामद की थी लेकिन यह उससे काफी मात्रा में ज्यादा पाई गई है। पकड़े गए दोनों आरोपियों की पहचान नाईम और सरताज के रूप में हुई है और दोनों ही बरेली के रहने वाले हैं। फिलहाल पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। एएसपी ने आगे बताया कि एक किलो 112 ग्राम समैक की कीमत अंतरराष्ट्रीय मार्केट में करीब 1 करोड़ रुपये से ज्यादा है। बता दें कि आज तक जितनी भी समैक यमुनानगर में सप्लाई के लिए आई थी। हालांकि यहां पर यह स्मैक किसको सप्लाई दी जानी थी इसके बारे में भी अभी पूछताछ करना बाकी है। इस मामले की जांच की जा रही है।

## रोहतक में बाप-बेटे की गोली मारकर हत्या, इलाके में सनसनी

रोहतक : रोहतक जिले के बलियाणा गांव में शुक्रवार को बाप-बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। डबल मर्डर की सूचना पर आईएमटी थाना पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मृतकों की पहचान धर्मवीर और उसके बेटे दीपक के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, घटना के समय धर्मवीर अपने घर पर था, जबकि दीपक पास की गली में पड़ोसियों के यहां बैठा हुआ था। इसी दौरान चार से पांच हमलावर वहां पहुंचे और पहले धर्मवीर को घर में घुसकर गोलियां मार दीं। इसके बाद आरोपी दीपक के पास पहुंचे और उस पर भी ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद घटनास्थल पर पहुंचकर टीम ने जांच शुरू की और साक्ष्य जुटाए। प्राथमिक जांच में पुरानी रंजिश को हत्या की वजह बताया जा रहा है। बताया गया है कि पिछले वर्ष गांव में हुए एक हत्या प्रकरण में धर्मवीर के दूसरे बेटे सागर का नाम आया था, जो वर्तमान में जेल में बंद है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए पीजीआई रोहतक भेजकर मामले की गहन जांच शुरू कर दी है।

## नवीन जयहिंद समेत 21 लोग हु ए बरी, अमित शाह के हरियाणा आने पर किया था ये काम

रोहतक : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे के दौरान रास्ता रोकने और विरोध प्रदर्शन के 8 साल पुराने मामले में नवीन जयहिंद सहित 21 लोगों को अदालत ने बरी कर दिया है। यह फैसला जीएमआईसी की जज रवलीन कौर की अदालत ने सुनाया। यह मामला साल 2016 का है, जब अमित शाह के रोहतक आगमन के समय नवीन जयहिंद ने उनके काफिले के मार्ग में मृत सांड डालकर विरोध प्रदर्शन करने का आरोप था। इस घटना को लेकर उनके खिलाफ 3 मुकदमे दर्ज किए गए थे। इस केस में करीब 8 साल से नवीन जयहिंद नियमित रूप से अदालत में पेश होते रहे। जयहिंद के अधिवक्ता गौरव भारती ने बताया कि अभियोजन पक्ष आरोप साबित करने में असफल रहा, जिसके चलते अदालत ने सभी 21 आरोपियों को बरी करने का आदेश दिया। फैसले के बाद जयहिंद ने कहा कि न्याय व्यवस्था पर उनका विश्वास और मजबूत हुआ है।

## हरियाणा में कैंसर मरीजों की बढ़ रही उम्र

चंडीगढ़ : हरियाणा में कैंसर के मरीजों की संख्या हर साल बढ़ रही है, लेकिन राहत की बात यह है कि अब मरीजों की जीवन प्रत्याशा में सुधार देखने को मिल रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि राज्य में कैंसर का शीघ्र निदान, आधुनिक इलाज की उपलब्धता और आयुष्मान योजना जैसे कार्यक्रमों ने मरीजों की आयु बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। हरियाणा एनसीडी क्लीनिक के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. ओम सैनी ने बताया कि प्रदेश के लगभग सभी रीजनल सेंटर और जिला अस्पतालों में कैंसर की प्रारंभिक जांच की सुविधाएं उपलब्ध हैं। रोग की पहचान होते ही मरीजों का इलाज शुरू कर दिया जाता है। राज्य के अस्पतालों में अब पीजीआई में निर्धारित कीमोथेरेपी भी मुफ्त उपलब्ध कराई जा रही है। समय पर कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी और सर्जरी के कारण मरीजों के जीवन में सुधार आ रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, हरियाणा में साल 2020 से 2022 के बीच कुल 90 हजार से अधिक नए कैंसर केस दर्ज किए गए, जिनमें करीब 49 हजार मरीजों की मृत्यु हुई। वर्ष 2023 में 29,437 और 2024 में 30,475 नए मरीज सामने आए। इनमें सबसे अधिक मामले निजी अस्पतालों से दर्ज हुए। विभाग का मानना है कि जनसंख्या वृद्धि, बेहतर रिपोर्टिंग और उन्नत जांच सुविधाओं के कारण केसों की संख्या में वृद्धि दिखाई दे रही है, जो स्वास्थ्य जागरूकता का भी संकेत है।

# राष्ट्रवाद के अग्रदूत बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जी द्वारा वर्ष 1875 में रचित राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'वंदे मातरम्' का हुआ सामूहिक गायन

**अमरोहा (सब का सपना):-** राष्ट्रवाद के अग्रदूत बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जी द्वारा वर्ष 1875 में रचित राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में 'वंदे मातरम्' के सामूहिक गायन एवं मुख्यमंत्री के संबोधन कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी द्वारा भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि वन्दे मातरम्-गीत की 150वीं वर्ष पूर्ण होने पर इस कार्यक्रम का आयोजन होना हर्ष की बात है। उन्होंने कहा कि आज हम उसी दौर को जी रहे हैं, जिसकी कल्पना उस समय की गई थी जब यह गीत लिखा गया था। उन्होंने कहा कि यह गीत लोगों में जोश भर देता है। स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान विभिन्न समुदायों, संस्कृतियों और देशवासियों को एकजुट करने एवं देशभक्ति की नई चेतना जगाने में इस गीत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि गीतकार ने जो भारत की कल्पना की थी, आज हम उसे साकार होते देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह गीत एकजुटता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमें सबको एक साथ रहना है, तभी हम विकसित भारत का निर्माण कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि आज इसे दोहराने का उद्देश्य यह है कि हम जहाँ भी हैं, जिस पद पर भी हैं, उससे आगे बढ़ें और संवैधानिक पदों पर रहते हुए उसके अनुरूप कार्य करें। उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि आप इस गीत को अपने घरों तक पहुँचाएँ, जिससे हम एकजुट हो सकें और हर क्षेत्र में देश आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि इस गीत ने समूचे भारत को एक धागे में पिरो दिया और एकता का भाव प्रदान किया। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह ने कहा कि वन्दे मातरम्-गीत की 150वीं वर्षगाँठ के अवसर पर इस तरह का भव्य आयोजन पहली बार किया गया है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में इस गीत का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिसने सेनानियों में जोश भरा। उन्होंने कहा कि इस गीत ने लोगों को राष्ट्र के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया और ऊर्जा से भर दिया, जिसका आजादी में महत्वपूर्ण योगदान रहा। अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेंद्र प्रताप सिंह ने बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वन्दे मातरम्-गीत का आजादी के संघर्ष में महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस गीत ने सभी लोगों के हृदय में ज्योति और ऊर्जा भरी। उन्होंने कहा कि इस गीत ने भारतीयों को जोड़ा। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी चंद्रकांता एवं उप जिलाधिकारी मसीहा नजम ने भी अपने विचार रखे। इसके अतिरिक्त जनपद के कार्यालयों एवं अन्य स्थानों पर विविध कार्यक्रम आयोजित हुए। बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के स्कूलों कॉलेजों में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम आधारित विभिन्न गतिविधियों का संपादन हुआ। कलेक्टरी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आभा दत्त, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया, जिला सूचना अधिकारी मो0 दानिश सहित संबंधित अधिकारीगण और कलेक्ट्रेट परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

# जनपद सम्भल के थानों की एण्टी रोमियों टीमों द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति फेज-05' अभियान

### महिलाओं एवं बलिकाओं को वितरित किये गये पम्पलेट व विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों से अवगत कराया गया

**संभल(सब का सपना):-** उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं /बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के निर्देशन में जनपद के थानों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

## हरियाणा में वीटा घी हुआ महंगा, इतने रुपए का हुए 1 लीटर पैक

हरियाणाः हरियाणा डेयरी डेवलपमेंट कोऑपरेटिव फेडरेशन ने वीटा घी की दरों में तत्काल 20 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की है। सीजीएम मैनेजिंग डायरेक्टर ने बताया कि घी के सभी प्रकारों और पैकिंग में एक्स फैक्ट्री रेट में प्रति लीटर 20 रुपए की वृद्धि की गई है। यह वृद्धि एमपीसीएस को होने वाली बिक्री सहित सभी बिक्री पर लागू होगी।

वीटा घी की कीमतों में हाल ही में बढ़ोतरी हुई है, जो 22 सितंबर को जीएसटी में कटौती के बाद पहले घटाई गई कीमतों के बाद की गई है।एक लीटर घी का पैक अब 630 का है, जो पहले 610 था, जबकि 15 लीटर के टिन की कीमत में 290 की वृद्धि हुई है, जिससे यह लगभग जीएसटी कटौती से पहले के स्तर पर पहुंच गया है।

# ग्राम चौपाल गाँव की समस्या,गाँव में समाधान का किया गया आयोजन

### राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर ग्राम चौपाल में सामूहिक रूप से वंदे मातरम् गीत का गायन किया गया

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** विकासखंड गुन्नौर के पीएम श्री विद्यालय फत्तेहपुर में जिलाधिकारी डॉ.राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल गाँव की समस्या,गाँव में समाधान का आयोजन किया गया।सर्व प्रथम पीएम श्री विद्यालय की छात्राओं द्वारा मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट तथा जिला विकास अधिकारी राम आशीष का पुष्प देकर स्वागत सम्मान किया एवं स्वागत गीत गाया गया।उसके पश्चात आज राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम्-के 150 वर्ष पूर्ण होने पर ग्राम चौपाल में सामूहिक रूप से वंदे मातरम्-गीत का गायन किया गया। ग्राम चौपाल के अन्तर्गत विभिन्न विभागों जैसे स्वास्थ्य विभाग,आईसीडीएस विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा कैम्प एवं शासन की योजनाओं से संबंधित स्टाल लगाए गये ताकि ग्रामीण लोग शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत विभाग से संबंधित योजनाओं के विषय में जानकारी दी गयी गोल्डन कार्ड, डायबिटीज एवं हाइपरटेंशन जांच आदि के विषय में बताया समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के विषय में बताया गया।पेंशन एवं मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के विषय में ग्राम चौपाल में उपस्थित लोगों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी उन्होंने बताया कि शासन द्वारा पहले लाभार्थी को 51 हजार रुपये की धनराशि प्रदान की जाती थी जिसको बढाकर अब मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थी को एक लाख रुपये की धनराशि दी जाती है। पशुपालन के संबंधित अधिकारी द्वारा पशुओं के बीमा,पशुओं के टीकाकरण, गलघोटू खुरपका,मुंहपका ,थनैला रोग, आदि के विषय में जानकारी दी।कृषि विभाग के अन्तर्गत कृषि यंत्रीकरण, सोलर पम्प, फैमिली आईडी, फार्मर रजिस्ट्री, तथा एफपीओ के गठन तथा उसके लाभ के विषय में भी बताया। खण्ड विकास अधिकारी गुन्नौर कमलकांत ने कहा कि बच्चों की शिक्षा की नींव मजबूत करें । फार्मर रजिस्ट्री एवं फैमिली आईडी के विषय में भी जानकारी दी। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि ग्राम चौपाल उत्तर प्रदेश शासन का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है तथा प्रत्येक शुक्रवार को जनपद के प्रत्येक विकास खण्ड के दो ग्रामों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया जाता है। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण है आज के ही दिन 07 नवंबर 1875 ई को वंदे मातरम् गीत की रचना एवं प्रकाशन बंकिमचन्द्र चटर्जी द्वारा किया गया। वंदे मातरम् राष्ट्रीय जागरण का प्रथम मंत्र बना तथा अंग्रेजों से मुक्ति का प्रतीक रहा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए प्रत्येक परिवार को कार्य करना होगा। उन्होंने सभी ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि अपने घर में बेटा और बेटियों को समान समझें तथा बेटी का विवाह 18 वर्ष की आयु पूर्ण हो जाने के बाद ही करें। मुख्य विकास अधिकारी ने बच्चों को निपुण बनाने तथा उनको हिन्दी एवं गणित विषय में निपुण करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा निशुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है। बच्चों की बेसिक शिक्षा को मजबूत करें सब मिल जुलकर रहें तथा शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त करें। गर्भवती माताओं का विशेष ध्यान रखें तथा गर्भवती माताओं की नियमित जांच आवश्यक है। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा आईसीडीएस विभाग के अन्तर्गत गोद भराई एवं अन्न प्राशन कार्यक्रम भी किया। इस अवसर जिला विकास अधिकारी राम आशीष, जिला सूचना अधिकारी बृजेश कुमार, खण्ड विकास अधिकारी गुन्नौर कमलकांत, खण्ड शिक्षा अधिकारी गुन्नौर मुंशी लाल पटेल, प्रधानाध्यापक कालाराम, ग्राम प्रधान परशुराम एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

# कलक्ट्रेट सभागार में सामूहिक रूप से राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का किया गया गायन

### राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् राष्ट्रीय जागरण का था प्रथम मंत्र.. मुख्य विकास अधिकारी

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** राष्ट्रवाद के अग्रदूत बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ( बंकिमचन्द्र चटर्जी) द्वारा वर्ष 1875 में रचित राष्ट्रगीत ह्लवंदे मातरमह्ल के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ह्लवंदे मातरमह्ल के सामूहिक गायन एवं स्वदेशी का संकल्प कार्यक्रम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लखनऊ में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू के प्रतिनिधि जिला पंचायत सदस्य अवधेश प्रताप सिंह तथा जिला विकास अधिकारी राम आशीष , परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह, डिप्टी कलक्टर निधि पटेल, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ शैलेन्द्र सिंह तथा अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग राजीव कुमार एवं जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी तथा विद्यालयों के छात्र एवं छात्राएं सभी के द्वारा राष्ट्रगीत ह्लवंदे मातरमह्ल का सामूहिक गायन भी किया गया।सभागार में कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य तथा अपर जिलाधिकारी तथा मुख्य विकास अधिकारी द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह द्वारा जिला पंचायत सदस्य तथा अपर जिलाधिकारी तथा मुख्य विकास अधिकारी का पुष्प देकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। जिला विकास अधिकारी ने वंदे मातरम्-गीत के इतिहास के विषय में विस्तार से बताया गया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय गीत सांस्कृतिक विरासत की धरोहर है। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि वंदे मातरम्-गीत राष्ट्रीय जागरण का प्रथम मंत्र था। वैदिक ऋचाओं से प्रेरणा लेकर इस गीत को बनाया गया। वंदे मातरम्-गीत ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को ऊर्जा प्रदान की तथा भारत की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्य विकास अधिकारी ने सभागार में उपस्थित बच्चों से आह्वान किया कि 2047 में देश को विकसित भारत के रूप में बनाने के लिए प्रत्येक मिनट का सदुपयोग करें वंदे मातरम्-गीत से प्रेरणा लें देश को आगे बढाने में अपनी भूमिका निभाएं। जिला पंचायत सदस्य अवधेश प्रताप सिंह ने सभी को हार्दिक बधाई दी तथा उन्होंने वंदे मातरम्-गीत के इतिहास के विषय में जानकारी दी तथा उपस्थित बच्चों से कहा कि वंदे मातरम् के अन्तर्गत अपनी माता की सेवा करें तथा पृथ्वी माता, भारत माता तथा गंगा माता का विशेष ध्यान रखें । अपर जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम्-गीत आत्म सम्मान एवं आत्म प्रेरणा का भाव है।

राष्ट्रीय गीत के माध्यम से आजादी से पहले क्रांतिकारियों में राष्ट्रीय एकता को बल मिला तथा स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वतंत्रता के वाद आज राष्ट्रीय एकता का ही बल है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम द्वारा वर्ल्ड कप में विजय प्राप्त की। इस अवसर पर जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार, जिला पंचायती राज अधिकारी चेतेन्द्र पाल सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी तिनेज कुमार, एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### कतर के अमीर से मिले आसिफ अली जरदारी, रक्षा सहयोग बढ़ाने की पेशकश

**दोहा, एजेंसी।** पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने बुधवार को दोहा में कतर के अमीर, शेख तमीम बिन हमद अल-थानी से मुलाकात कर रक्षा और रक्षा उत्पादन के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार करने की पेशकश की। यह मुलाकात दोहा में चल रहे दूसरे विश्व सामाजिक विकास शिखर सम्मेलन के दौरान हुई, जिसमें राष्ट्रपति जरदारी पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। राष्ट्रपति भवन के अनुसार, दोनों नेताओं ने राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। जरदारी की रक्षा सहयोग बढ़ाने की पेशकश पर अमीर ने सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की और अधिकारियों को तुरंत बातचीत शुरू करने का निर्देश देने की बात कही। कतर के अमीर ने हाल में हुए पाकिस्तान-सऊदी अरब रक्षा समझौते पर भी संतोष जताया और इसे एक स्वागतयोग्य और समय पर उठाया गया कदम बताया। उन्होंने पाकिस्तान की अनूठी स्थिति की सराहना की, जो एक साथ चीन, पश्चिम और खाड़ी देशों के साथ रणनीतिक संबंध बनाए रखता है। राष्ट्रपति जरदारी ने गाजा के लिए संघर्ष विराम और मानवीय राहत की वकालत करने में कतर के अमीर के नेतृत्व की प्रशंसा की।

### लंदन में दो कैदियों को गलती से किया रिहा

**लंदन , एजेंसी।** ब्रिटेन में एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। लंदन की वैंड्सवर्थ जेल से दो कैदियों को गलती से रिहा कर दिया गया। पुलिस अब दोनों की तलाश में जुटी है। यह वही जेल है जहाँ पिछले साल एक कैदी खाने की गाड़ी के नीचे लटककर भाग गया था। लंदन मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अनुसार, 24 वर्षीय ब्राहिम कद्दूर-शरीफ को 29 अक्टूबर को गलती से रिहा कर दिया गया। वह अल्जीरिया का नागरिक है और चोरी की नीयत से घुसपैठ के आरोप में सजा काट रहा था। पुलिस ने बताया कि वह यौन अपराधी के रूप में भी पंजीकृत है और कई नामों का इस्तेमाल करता है। वहीं, सरे पुलिस के अनुसार, 35 वर्षीय विलियम स्मिथ को सोमवार को धोखाधड़ी के कई मामलों में 45 महीने की सजा सुनाई गई थी, लेकिन उसी दिन गलती से रिहा कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि स्मिथ के वोकिंग इलाके से संबंध हैं। इन घटनाओं से ब्रिटेन की जेल व्यवस्था पर सवाल उठ गए हैं। हाल ही में नई लेबर पार्टी सरकार ने सख्त निगरानी प्रणाली लागू की थी, लेकिन यह चूक उसके लिए बड़ी शर्मिंदगी का कारण बन गई है।

### इस्लामी उपदेशक जाकिर के बांग्लादेश में प्रवेश पर रोक

**ढाका, एजेंसी।** भारतीय मूल के विवादित इस्लामी उपदेशक जाकिर नाइक को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने ढाका में प्रवेश की अनुमति नहीं देने का फैसला किया है। सरकार ने यह निर्णय भारत के कड़े विरोध के बाद लिया है, जिसमें भारत में जाकिर नाइक को वांछित घोषित होने की दलील दी गई थी। अंतरिम सरकार ने कानून-व्यवस्था कोर कमेटी की बैठक में विवादित इस्लामी उपदेशक को प्रवेश न देने का फैसला लिया। सूत्रों के हवाले से, दैनिक समाचार पत्र प्रोथोम अलो ने बताया कि बैठक में जाकिर नाइक की संभावित यात्रा पर चर्चा हुई। इसमें कहा गया, यदि जाकिर नाइक बांग्लादेश आते हैं, तो वहां भारी भीड़ होगी। रिपोर्ट में बताया गया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बड़ी संख्या में कानून प्रवर्तन कर्मियों की आवश्यकता होगी। नाइक की बांग्लादेश यात्रा को देखते हुए, फिलहाल वहां इतने सारे सदस्यों को तैनात करने का कोई अवसर नहीं है।

### हेलेन गार्नर को बैली गिफर्ड नॉन-फिक्शन पुरस्कार

**मेलबर्न, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलियाई लेखिका हेलेन गार्नर को उनकी किताब हाउ टू एंड अ स्टोरी के लिए प्रतिष्ठित बैली गिफर्ड नॉन-फिक्शन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 82 वर्षीय गार्नर को पुरस्कार राशि 65 लाख रुयये लंदन समारोह में दी गई। जूरी अध्यक्ष रॉबी मिलन ने बताया कि छह सदस्यों की समिति ने गार्नर को सर्वसम्मति से विजेता चुना। उनकी डायरी आधारित पुस्तक को उसकी ईमानदार अभिव्यक्ति और गहरी आत्मविश्लेषी शैली के लिए सराहा गया।

### भारत के राजदूत ने बेलारूस राष्ट्रपति से व्यापारिक सहयोग पर की चर्चा

**मिन्स्क, एजेंसी।** बेलारूस में भारत के राजदूत अशोक कुमार ने मंगलवार को राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार और सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई। भारतीय दूतावास के अनुसार, बातचीत में द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं विशेषकर आर्थिक और वाणिज्यिक क्षेत्रों पर जोर दिया गया। इससे पहले 27-28 अक्तूबर को भारत-बेलारूस के बीच आठवें दौर की विदेश मंत्रालय स्तरीय वार्ता मिंस्क में हुई थी।

# पाकिस्तान बोला- तालिबानियों की एक कप चाय महंगी पड़ी

## डिप्टी पीएम ने कहा- आतंकियों से दोस्ती का खामियाजा भुगत रहे, इमरान इसके जिम्मेदार

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के डिप्टी प्राइम मिनिस्टर और विदेश मंत्री इशाक डार ने बुधवार को तालिबान से दोस्ती को देश के लिए महंगा बताया। उन्होंने अफगानिस्तान से जुड़े आतंकवाद के लिए पूर्व पीएम इमरान खान को जिम्मेदार ठहराया। डार ने संसद में 2021 के एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि जब तत्कालीन ढूस्ढू चीफ लेफ्टिनेंट जनरल फैज हामिद काबुल गए थे। वहां चाय पीते हुए उन्होंने कहा था कि सब ठीक हो जाएगा। डार ने कहा कि अफगानिस्तान की उस एक कप चाय की आज तक देश को भारी कीमत चुकानी पड़ रही है।

**डार बोले- हजारों आतंकी पाकिस्तान लौट आए :** डार ने इमरान खान पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी सरकार ने तालिबान के सत्ता में आने के बाद बॉर्डर खोल दीं। इससे आतंकी वापस लौट आए। पाकिस्तानी-तालिबान, फित्ना अल-ख्वारिज और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी जैसे ग्रुप अफगानिस्तान से हमले कर रहे हैं। डार ने कहा, जब हम वहां जाते हैं तो वे कहते हैं कि हम एक कप चाय के लिए आए हैंज अल्लाह सबकी मुश्किलें कम करे, लेकिन उस कप चाय की कीमत हमें सबसे ज्यादा चुकानी पड़ी है। डार ने कहा- उस चाय के प्याले ने पूरी सीमा फिर से खोल दी। 35-40 हजार तालिबानी जो यहां से भाग गए थे, फिर से वापस आ गए। इमरान सरकार ने उन आतंकियों को रिहा कर दिया जिन्होंने स्वात में पाकिस्तानी झंडे जलाए थे, लोगों को बेरहमी से मारा था। उस समय रिहा किए गए आतंकी आज बलूचिस्तान में हमलों के सरगना हैं। यह सब हमारे लिए एक सबक है।

**तालिबान के सत्ता में आने के बाद काबुल गए थे फैज हामिद :** तालिबान ने 15 अगस्त 2021 को काबुल के साथ ही करीब-करीब पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था। दुनिया को पहले ही शक था कि पाकिस्तान फौज और ढूस्ढू तालिबान की पूरी मदद कर रही है। सितंबर 2021 की शुरुआत में जनरल फैज हमीद चुपचाप काबुल पहुंचे। यहां एक ही फाइव स्टार सेरेना होटल है। यहां वे तालिबान के आला नेताओं के साथ हाथ में चाय का प्याला लेकर कहकहे लगा रहे थे। संयोग से इसी होटल में ब्रिटेन की एक महिला जर्नलिस्ट मौजूद थी। उसने न सिर्फ फैज के फोटो लिए, बल्कि कुछ सवाल भी किए। इसके जवाब में फैज ने सिर्फ इतना कहा- ऑल इज वेल।

**आईएसआई चीफ की 1 महीने में ही चली गई नौकरी :** तालिबानी नेताओं से मुलाकात की यह खबर आग की तरह फैल गई। फैज के काबुल दौरे और तालिबान नेताओं से मुलाकात बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन को नागवार गुजरी। अमेरिका को लगा कि जनरल फैज तालिबान नेताओं के साथ मिलकर अफगानिस्तान में अमेरिकी शिकस्त का जश्न मना रहे हैं। अमेरिका और आर्मी चीफ जनरल बाजवा ने इमरान खान पर हामिद को हटाने का दबाव बनाया। ऐसे में काबुल के दौरे के एक महीने बाद ही हामिद को आईएसआई चीफ के पद से हटा दिया गया। पाकिस्तान-अफगानिस्तान में कई दिनों झड़प चल रही 2021 में अमेरिकी सेना के अफगानिस्तान से जाने के बाद तालिबान ने काबुल कब्जा लिया था। तब पाकिस्तान ने तालिबान का समर्थन किया था। इमरान खान ने इसे 'गुलामी की जंजीरें तोड़ना' कहा था। हालांकि अब सीमा पर दोनों देशों की झड़पें बढ़ गई हैं। पिछले महीने पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक्स में दर्जनों लोग मारे गए थे। इसके बाद तालिबान ने जवाबी कार्रवाई की थी। बाद में तुर्किये और कतर की मध्यस्थता से सीजफायर हुआ, लेकिन हिंसा पूरी तरह रुक नहीं है।

**दोनों देशों के बीच पहले भी हुआ है तनाव :** अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच डूरंड लाइन को लेकर लंबे समय से विवाद है। दोनों देश एक-दूसरे पर हमले और आतंकियों को छिपाने का आरोप लगाते रहते हैं। 2021 में अफगानिस्तान हुकूमत पर तालिबान के कंट्रोल के बाद से तनाव और बढ़ गया है।

# मेक्सिको की राष्ट्रपति दिन-दहाड़े हुईं छेड़खानी का शिकार

**मेक्सिको सिटी, एजेंसी।** मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम संग सड़क हुई पर छेड़छाड़ के बाद उन्होंने बुधवार को पूरे देश में यौन उत्पीड़न को अपराध घोषित करने की मांग की है। हमले के बाद पूरे देश में महिलाओं के सामने मौजूद खतरों को लेकर नई बहस भी शुरू हो गई है। इससे पहले 63 वर्षीय शीनबाम पर हमला तब हुआ जब वे मंगलवार को मेक्सिको सिटी में राष्ट्रपति भवन के पास समर्थकों का अभिवादन स्वीकार कर रही थीं।

जानकारी के मुताबिक क्लाउडिया एक सार्वजनिक कार्यक्रम में जा रही थीं। तभी अचानक एक शराबी शख्स उनके पास आया, उनके कंधे पर हाथ रखा और दूसरे हाथ से उनकी छाती को छुआ, साथ ही उनकी गर्दन को चूमने की कोशिश की। हालांकि राष्ट्रपति सुरक्षा दल के एक सदस्य ने उसे तुरंत दूर खींच लिया।

यह घटना कैमरे में कैद हो गई और बाद में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। अब देश भर में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सवाल पूछे जा रहे हैं। इस मामले में मेक्सिको के रिकॉर्ड भी चिंताजनक हैं। देश में यौन उत्पीड़न आम है और अधिकार समूह गंभीर संकट की

चेतावनी दे रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की लगभग 70 प्रतिशत मेक्सिकन महिलाओं को अपने जीवन में कम से कम एक बार यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि मेक्सिको में हर दिन औसतन 10 महिलाओं की हत्या होती है। घटना के बाद अब शीनबाम ने बुधवार को कहा है कि सरकार यौन उत्पीड़न से संबंधित राष्ट्रव्यापी कानून की जल्द से जल्द समीक्षा करेगी। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, 'मेरी सोच यह है। अगर मैं शिकायत दर्ज नहीं कराउंगी, तो बाकी मैक्सिकन महिलाओं का क्या होगा? अगर राष्ट्रपति के साथ ऐसा हुआ, तो हमारे देश की सभी महिलाओं का क्या होगा?' राष्ट्रपति ने कहा, 'यह एक आपराधिक अपराध होना चाहिए और हम इसके लिए एक अभियान शुरू करने जा रहे हैं।'

## जी-20 सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे ट्रंप, बोले- दक्षिण अफ्रीका को तो इसमें होना ही नहीं चाहिए

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वह इस महीने के आखिर में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी20 सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। ट्रंप ने बुधवार को मियामी में अमेरिका बिजनेस फोरम में कहा, 'मैं नहीं जा रहा हूं। दक्षिण अफ्रीका में जी20 की बैठक है। साउथ अफ्रीका को तो अब जी20 में होना ही नहीं चाहिए क्योंकि वहां जो हुआ है वह बुरा है। मैंने उनसे कह दिया है कि मैं नहीं जा रहा हूं। मैं वहां अपने देश का प्रतिनिधि नहीं करूंगा। उसे वहां नहीं होना चाहिए।'

**जी20 की अध्यक्षता अभी दक्षिण अफ्रीका के पास :** दक्षिण अफ्रीका ने 1 दिसंबर, 2024 को एक साल के लिए जी20 की अध्यक्षता संभाली थी और वह 22 से 23 नवंबर तक जोहान्सबर्ग में ग्रुप के नेताओं की बैठक की मेजबानी करेगा। यह पहली बार होगा जब ल्20 समिट अफ्रीकी धरती पर होगा। भारत दिसंबर 2022 से नवंबर 2023 तक जी20 का अध्यक्ष था और भारत की अध्यक्षता में सितंबर 2023 में नई दिल्ली में 18वां जी20 सम्मेलन का आयोजन किया था। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन जी20 सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आए थे।

जी20 समूह में 19 देश शामिल हैं, जिनमें अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्किए, ब्रिटेन और अमेरिका, साथ ही यूरोपियन यूनियन और अफ्रीकन यूनियन सदस्य हैं। भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान ही अफ्रीकन यूनियन को आधिकारिक तौर पर दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों के समूह में स्थायी सदस्य के तौर पर शामिल किया गया। ट्रंप ने न्यूयॉर्क सिटी के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी को 'कम्युनिस्ट' कहकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मियामी पीढ़ियों से उन लोगों का ठिकाना रहा है जो अफ्रीका में कम्युनिस्ट जुल्म से भागकर आए हैं। ट्रंप ने आगे कहा, 'देखिए साउथ अमेरिका के अलग-अलग हिस्सों में क्या हो रहा है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में क्या हो रहा है।

## हजारों कुशल कर्मचारियों को नौकरी देगी कनाडा सरकार, बजट में एच1बी वीजा धारकों के लिए कई एलान

**ओटावा, एजेंसी।** अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा एच1बी वीजा की फीस में भारी बढ़ोतरी के बीच कनाडा की मार्क कार्नी सरकार ने बड़ा दांव चला है। दरअसल मार्क कार्नी सरकार ने विदेशी कुशल कर्मचारियों को लुभाने के लिए एक अहम योजना का अपने बजट में एलान किया है। अमेरिका के एच1बी वीजा का लाभ पाने वालों में 70 प्रतिशत तक भारतीय कर्मचारी हैं। ऐसे में कनाडा सरकार की नई योजना से भारतीय कुशल कर्मचारियों को फायदा मिल सकता है। कनाडा सरकार ने बजट में तय किया 1.7 अरब डॉलर का फंड डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रशासन ने बीते दिनों एच1बी वीजा की फीस बढ़ाकर एक लाख डॉलर सालाना कर दी है। इससे अमेरिका में जाकर काम करने का सपना देखने वाले कुशल

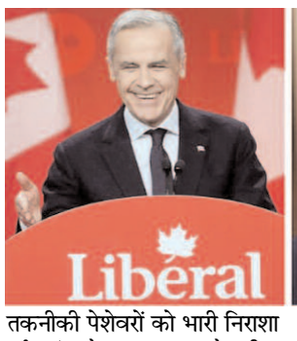

तकनीकी पेशेवरों को भारी निराशा हुई। ट्रंप के इस कदम के बीच कनाडा सरकार ने मौका ढूंढा और शीर्ष अंतरराष्ट्रीय रिसर्चर्स और उच्च प्रशिक्षित तकनीकी पेशेवरों को लुभाने की खास पहल शुरू की है। इसके तहत कनाडा सरकार ने अपने बजट में 1.7 अरब डॉलर का फंड तय किया है, जिससे एक हजार से ज्यादा स्किल्ड रिसर्चर्स को कनाडा में नौकरी दी जाएगी। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, बजट में कहा गया है, 'इन रिसर्चर्स की दक्षता हमारी वैश्विक प्रतिस्पर्धा को आगे बढ़ाने और भविष्य की अर्थव्यवस्था में योगदान देने में मदद करेगी।' कनाडा सरकार ने कुशल कर्मचारियों को आकर्षित करने के लिए ॥-1क्र वीजा धारकों के लिए एक 'एक्सेलरेटेड पाथवे' का भी एलान किया है। कनाडा अपनी नई अप्रवासन नीति के तहत 2026 से 2028 तक हर साल 380,000 स्थायी रेसिडेंट्स को लाने की योजना बना रहा है। हालांकि, कनाडा, विदेशी छात्रों के सालाना एडमिशन में कटौती जारी रखेगा। अस्थायी निवासियों की संख्या में कटौती कर रही कनाडा सरकार एक तरफ कनाडा कुशल तकनीकी पेशेवरों को लुभाने की कोशिश कर रहा है, वहीं यह अस्थायी रेसीडेंट्स की संख्या में भारी कमी कर रहा है। पहले साल 2026 में कनाडा सरकार की योजना 385,000 अस्थायी निवासियों को कनाडा का वीजा जारी करने की थी और अगले दो वर्षों के लिए यह आंकड़ा 370,000 था। अब कनाडा सरकार ने नए शिक्षा परमिट की संख्या में भारी कमी की है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, अब नए लक्ष्यों के तहत 2026 में अस्थायी निवासियों की संख्या को घटाकर 155,000 और 2027 और 2028 दोनों में 150,000 कर दिया गया है।

# अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में ट्रंप के वैश्विक टैरिफ पर सुनवाई, न्यायाधीशों ने कानूनी आधार पर उठाए सवाल

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए वैश्विक टैरिफ (आयात शुल्क) को लेकर अहम सुनवाई शुरू हो गई है। यह मामला कई वर्षों में सुप्रीम कोर्ट के सामने आए सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक मामलों में से एक माना जा रहा है। ऐसे में अदालत यह तय करेगी कि ट्रंप ने अन्य देशों पर व्यापक टैरिफ लगाकर कानूनी अधिकारों का सही उपयोग किया या नहीं।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार सुनवाई के दौरान ट्रंप के वकीलों को सुप्रीम कोर्ट के कई जजों, जिनमें एमी कोनी बैरेट, नील गोरसच और ब्रेट कवानॉ शामिल हैं, को कड़ी पूछताछ का सामना करना पड़ा। जस्टिस बैरेट ने सवाल उठाया कि ट्रंप प्रशासन ने एक संघीय कानून का उपयोग करके सभी देशों पर पारस्परिक टैरिफ क्यों लगाया, जबकि ऐसा करना आवश्यक नहीं था। बता दें कि सुनवाई में अमेरिकी ट्रेजरी अधिकारी स्कॉट बेसेंट भी मौजूद रहे। उन्होंने इससे पहले कहा था कि यह मामला आर्थिक आपातकाल से जुड़ा है और प्रशासन इसे बहुत गंभीरता से ले रहा है।

**सरकार किसी भी नतीजे के लिए तैयार- लेविट :** वहीं इस सुनवाई को लेकर व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि सरकार किसी भी नतीजे के लिए तैयार है, लेकिन उसे विश्वास है कि कोर्ट ट्रंप के पक्ष में फैसला देगा। उन्होंने कहा कि हम राष्ट्रपति और उनकी टीम के कानूनी तर्कों पर पूरी तरह भरोसा करते हैं। सुप्रीम कोर्ट से हमें सही फैसला मिलने की उम्मीद है। इस दौरान लेविट ने इस बात पर भी जोर दिया कि यह मामला सिर्फ ट्रंप की नीतियों तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य के राष्ट्रपतियों के लिए भी यह तय करेगा कि वे आर्थिक आपातकाल के नाम पर टैरिफ लगाने का अधिकार रखेंगे या नहीं।

**ट्रंप बोले- अगर हम जीतेंगे तो अमेरिका सुरक्षित :** हालांकि सुनवाई से पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट कर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने लिखा था कि कल का सुप्रीम कोर्ट केस हमारे देश के लिए सचमुच जीवन और मृत्यु जैसा है। अगर हम जीतते हैं तो अमेरिका आर्थिक और राष्ट्रीय रूप से सुरक्षित रहेगा, वरना दूसरे देश हमें लगातार नुकसान पहुंचाते रहेंगे। इस दौरान ट्रंप ने दावा किया कि उनके टैरिफ और व्यापार समझौतों के कारण अमेरिका का शेयर बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई पर है और देश पहले से कहीं ज्यादा सम्मानित हुआ है।

## 'मैंने कभी इतने डरे हुए लोग नहीं देखे', ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग से मुलाकात पर कही चौंकाने वाली

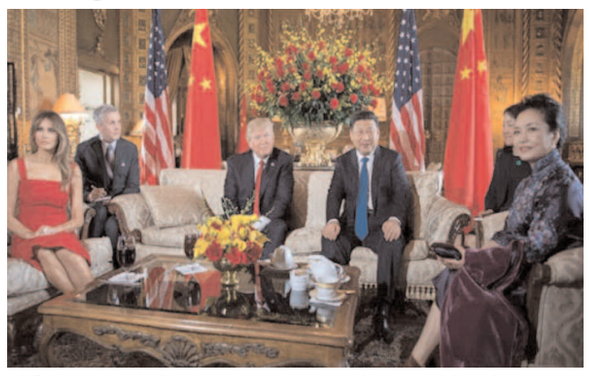

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** रिपब्लिकन पार्टी के सीनेटर्स के साथ एक बैठक में राष्ट्रपति ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से दक्षिण कोरिया के बुसान में हुई हालिया मुलाकात का जिक्र किया। इस दौरान ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति के साथ बैठक में मौजूद चीनी अधिकारियों का मजाक उड़ाया और कहा कि मैंने अपने जीवन में कभी भी लोगों को इतने डरे हुए नहीं देखा। ट्रंप ने कहा कि वे लोग बिना हिले-डुले और सीधे बैठे हुए थे। ट्रंप ने मजाक में कहा कि मैं चाहता हूं कि मेरी कैबिनेट भी मेरे सामने ऐसे ही व्यवहार करे। ट्रंप के इतना कहने पर हॉल में मौजूद सभी लोग हंस पड़े।

**ट्रंप बोले- मैं चाहता हूं मेरी कैबिनेट भी ऐसा ही व्यवहार करे :** ट्रंप ने कहा कि 'शी जिनपिंग के साथ बैठक में दोनों तरफ छह-छह अधिकारी मौजूद थे। चीन के अधिकारी एक सीधे खड़े हुए थे।' इसके बाद ट्रंप ने खुद सावधान मुद्रा में खड़े होकर दिखाया कि वे किस तरह से खड़े थे। इस पर वहां मौजूद रिपब्लिकन सीनेटर हंस पड़े। ट्रंप ने आगे कहा कि 'मैंने एक से कुछ पूछा, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। इस पर मैंने उससे पूछा कि क्या वे कुछ बोलना चाहेंगे? लेकिन मुझे कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। राष्ट्रपति जिनपिंग ने भी उसे कुछ नहीं बोलने दिया। मैं चाहता हूं कि मेरी कैबिनेट भी ऐसे ही व्यवहार करे।' ट्रंप बोले- मैंने अपने जीवन में इतने डरे हुए लोग नहीं देखे ट्रंप ने आगे कहा कि 'मैंने अपने जीवन में लोगों को इतना घबराए हुए नहीं देखा।

इसके बाद ट्रंप ने अपनी कैबिनेट के मंत्रियों की तरफ देखते हुए मजाक में कहा कि 'आप लोग ऐसे व्यवहार क्यों नहीं करते? जेडी वेंस बिल्कुल ऐसा नहीं करते। जेडी तो बल्कि बातचीत के बीच में ही कूद पड़ते हैं। मैं चाहता हूं कि कुछ हफ्तों के लिए ही सही जेडी भी ऐसा व्यवहार करें।' ट्रंप के इतना कहने पर जेडी वेंस ने भी सावधान मुद्रा दिखाई, जिस पर सभी लोग हंस पड़े। हालांकि डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता डोनाल्ड ट्रंप की कैबिनेट पर भी उनकी चापलूसी करने का आरोप लगाते हैं। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की प्रेस सचिव रहीं जेन साकी ने कहा कि ट्रंप कैबिनेट के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच लगता है कि ट्रंप को खुश करने की प्रतिस्पर्धा होती है कि कौन ट्रंप को ज्यादा खुश करेगा।

# बांग्लादेश में चुनाव प्रचार की शुरुआत में हिंसा: कई जगहों पर हमले और आगजनी

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश में फरवरी 2026 में होने वाले आम चुनावों के लिए प्रचार अभियान की शुरुआत के साथ ही कई जगहों पर हिंसा भड़क उठी है। इस दौरान चिटगांव में विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के उम्मीदवार एरशाद उल्लाह को गोली लगने से घायल हो गए हैं, जबकि कुमिल्ला जिले में उपद्रवियों ने एक अन्य उम्मीदवार के घर में आग लगा दी।

**अंतरिम सरकार ने घटनाओं की कड़ी निंदा की :** वहीं अंतरिम सरकार ने इन घटनाओं की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि बीएनपी उम्मीदवार एरशाद उल्लाह इस हमले के मुख्य निशाने पर नहीं थे, बल्कि एक भटकी हुई गोली से घायल हो गए। सरकार ने बयान जारी कर कहा, 'हम इस आपराधिक घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं और सभी उम्मीदवारों व नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। चिटगांव मेट्रोपॉलिटन पुलिस (सीएमपी) को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं ताकि अपराधियों को जल्द पकड़ा जा सके।

**सुरक्षा एजेंसियों को आरोपियों को पकड़ने का आदेश जारी :** मुख्य सलाहकार ने सुरक्षा एजेंसियों को आदेश दिया है कि दोषियों को हर हाल में पकड़कर न्याय के दायरे में लाया जाए। उन्होंने कहा, 'हिंसा और डराने-धमकाने की राजनीति बांग्लादेश की सामाजिक और राजनीतिक संस्कृति में किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है।' सरकार ने सभी राजनीतिक दलों और उनके समर्थकों से अपील की है कि वे शांति बनाए रखें और चुनावी प्रक्रिया को सम्मानजनक और शांतिपूर्ण बनाएं। बयान में कहा गया, 'सरकार यह सुनिश्चित

करेगी कि फरवरी का आम चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष, विश्वसनीय और उत्सव जैसा माहौल लिए हो।

**बीएनपी ने जमात-ए-इस्लामी पर लगाया आरोप :** इस बीच बीएनपी ने जमात-ए-इस्लामी पर चुनावी माहौल खराब करने का आरोप लगाया है। पार्टी के नेताओं का कहना है कि जमात समर्थित छात्र संगठन की हाल की विश्वविद्यालय छात्र संघ (डीयूसीएसयू, आरयूसीएसयू, सीयूसीएसयू) में जीत के बाद देश में अस्थिरता बढ़ी है। बीएनपी उम्मीदवार अनवारुल हक ने कहा, 'जमात-ए-इस्लामी और कुछ सरकारी सलाहकार मिलकर देश का माहौल खराब कर रहे हैं। कुछ विदेशी ताकतें भी इसमें शामिल हो सकती हैं। हमारे देश के लोग धार्मिक जरूर हैं, लेकिन अतिवाद के खिलाफ हैं।

**कुमिल्ला जिले में बीएनपी प्रत्याशी के घर में आगजनी :** वहीं कुमिल्ला जिले के बीएनपी प्रत्याशी मोनोवार सरकार ने आरोप लगाया कि उनके घर को अज्ञात लोगों ने आग के हवाले कर दिया। उन्होंने कहा, 'शरारती तत्वों ने मेरे घर में कई चीजों को जला दिया। यह साफ संकेत है कि विपक्ष को डराने की कोशिश की जा रही है।

# महिला विश्व कप विजेता बेटियों का महाराष्ट्र में सम्मान, सीएम फडणवीस बोले- भारत ने बदला इतिहास

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आईसीसी महिला विश्व कप 2025 में भारत की जीत की सराहना की और इसे देश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने विश्व कप घर लाने के लिए टीम की प्रशंसा की। फडणवीस ने क्रिकेटरों स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और राधा यादव से बातचीत की, जो महिला विश्व कप 2025 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं। बातचीत के दौरान, फडणवीस ने कहा कि यह एक खुशी का दिन है। महिला टीम ने विश्व कप जीता। पहले, हम विश्व कप को कुछ ही देशों में जाते देखते थे। लेकिन आपने सब कुछ बदल दिया और विश्व कप घर ले आए। आपने इतिहास रच दिया है।

आईसीसी महिला विश्व कप पर कब्जा करने का भारत का वर्षों पुराना सपना आखिरकार 2005 और 2017 के फाइनल में दो दिल टूटने के बाद एक वास्तविकता बन गया, क्योंकि उन्होंने फाइनल में एक शानदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराया, जिसमें शेफाली वर्मा (87 और 2/36) और दीप्ति शर्मा (58 और 5/39) ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया, जो लाखों लोगों के दिमाग में अंकित रहेगा और भविष्य के क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा की कहानी के रूप में काम करेगा।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने भारत की ऐतिहासिक आईसीसी महिला विश्व कप जीत पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह देश और खासकर महाराष्ट्र के लिए बहुत सम्मान की बात है, जिसने टीम के प्रमुख खिलाड़ियों और मुख्य कोच का योगदान दिया। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह हम सभी के लिए बहुत गर्व की बात है कि हमारी महिला टीम ने आईसीसी महिला विश्व कप का खिताब जीता है... भारत ने इसे पहली बार जीता है... हमारी टीम ने प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से मुलाकात की। हम उन्हें भी आमंत्रित करना चाहते थे, लेकिन हम भविष्य में पूरी टीम को आमंत्रित करेंगे। स्मृति मंदाना, जेमिमा रोड्रिग्ज, राधा यादव और कोच अमोल मजूमदार महाराष्ट्र से हैं, इसलिए हमने उनका स्वागत और सम्मान करने का फैसला किया। इन लड़कियों ने एक बार फिर भारतीय लड़कियों को सपने देखने के लिए प्रेरित किया है, और हमारी लड़कियां बड़े पैमाने पर खेल के मैदान में प्रवेश करेंगी।

उन्होंने कहा कि सरकार का एक निर्णय है कि जब कोई एथलीट अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करता है, तो हम उसे लगभग 2.25 करोड़ रुपये पुरस्कार राशि के रूप में देते हैं। कोच को भी 25 लाख रुपये मिलते हैं। हमने आज उन्हें यह राशि दी, और हमने

उनके अन्य कोचों को भी 11 लाख रुपये का पुरस्कार दिया। लेकिन धन से अधिक, उन्होंने देश को जो सम्मान दिलाया है, वह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

# महिला विश्वकप सेमीफाइनल की हार से अब भी उबर नहीं पायी हैं एलिसा हीली

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में भारतीय टीम के खिलाफ मिली हार से अब तक नहीं उबर पायी हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 339 रनों का विशाल लक्ष्य दिया था जिसे जेमिमा रोड्रिग्स के शतक से भारतीय टीम ने हासिल कर सभी को हैरान कर दिया था। इससे 7 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम मुकाबले से बाहर हो गयी। वहीं भारतीय टीम फाइनल में पहुंचकर विजेता बनी। हीली ने हालांकि कहा कि उन्हें अपनी टीम के प्रदर्शन पर गर्व है पर भारतीय टीम के खिलाफ हार को वह भूल नहीं पा रही हैं। उन्होंने कहा, मैं झूठ नहीं बोलूंगी, मैं बेहतर हो जाऊंगी। हमने पिछल सात सप्ताह में काफी अच्छा क्रिकेट खेला पर भारतीय टीम से जीत नहीं पाये जिससे निराशा हुई पर मैं इस बात को लेकर उत्साहित हूं कि यह टीम अगले चक्र में क्या कर सकती है। हीली ने माना कि ऑस्ट्रेलिया और रन बना सकती थी। उन्होंने कहा, मुझे सच में लगा था कि हमने थोड़े कम रन बनाए। जब एलिस पेरी और फोएबे बल्लेबाजी कर रही थीं, तो हम 350 से ज्यादा रन बनाने की उम्मीद कर रहे थे। अगर हम वहां और प्रयास करते तो ये संभव हो जाता।

उन्होंने आगे कहा, हर कोई योगदान दे रहा था, हर कोई अपना सर्वश्रेष्ठ खेल रहा था, पर नॉकआउट मैच में परिणाम हमारे अनुसार नहीं रहा। यह दुखद है कि हमारे पास दिखाने के लिए कोई ट्रॉफी नहीं है। हीली ने यह भी कहा कि डीवाई पाटिल स्टेडियम की कि लाल मिट्टी वाली पिच दूधिया रोशनी में अलग तरह से व्यवहार करती रही है जिसे हम समझ नहीं पाये।

उन्होंने कहा, शुरुआत में विकेट धीमा था, और दूधिया रोशनी में यह आसानी से फिसलने लगा। हम शायद गेंद के साथ तालमेल बिठाने में उतने तेज नहीं थे और अंत में अपनी लेंथ से भटक गये। साइटस्क्रीन और लाइट्स के आसपास बहुत कुछ हो रहा था। यह निराशाजनक था। अगर मैं एक मिनट और रुकती, तो हम मैदान छोड़कर वापस आ जाते। हीली ने हालांक भारत के धैर्य की प्रशंसा की और इस जीत को खेल के लिए एक शानदार पल बताया।

# प्रतिका को जय शाह के हस्तक्षेप के बाद आईसीसी ने दिया विश्वकप पदक

**दुबई (एजेंसी)।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल को भी अब विश्वकप पदक मिलेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी)) ने चेयरमैन जय शाह के हस्तक्षेप के बाद प्रतीका को पदक देने का फैसला किया है। आईसीसी का नियम है कि विश्व कप विजेता पदक केवल उन्हीं 15 खिलाड़ियों को मिलता है जो दल का हिस्सा होते हैं। प्रतीका चोटिल हो जाने के कारण सेमीफाइनल से पहले बाहर हो गयीं थी। प्रतिका ने छह मैचों में 300 से अधिक रन बनाये थे और वह सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल थी। आईसीसी ने अब अपने नियम को बदलते हुए प्रतीका को पदक देना स्वीकार कर लिया है। प्रतीका को बांग्लादेश के खिलाफ लीग स्टेज के आखिरी मुकाबले के दौरान चोट लग गई थी।ऐसे में उनकी जगह दल में शेफाली वर्मा को शामिल किया गया था।

दल का हिस्सा होने की वजह से शेफाली को केवल 2 मैच खेलने के बाद भी विजेता का पदक मिला था पर लीग स्तर में शानदार प्रदर्शन करने वाली प्रतीका को नहीं मिला। जब प्रतीका रावल को मेडल नहीं मिला तो सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने आवाज उठाई और भारत की जीत में उनके योगदान के लिए आईसीसी पर दबाव बनाया। अब प्रतीका रावल ने कहा है कि आईसीसी प्रमुख जय शाह के कारण उन्हें पदक मिलने वाला है।

# रवि शास्त्री की इंग्लैंड को सलाह, एशेज जीतनी है तो ये तरीका अपनाएं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत के पूर्व कोच और ऑलराउंडर रवि शास्त्री ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम को एशेज सीरीज जीतने के लिए अहम सलाह दी है। उन्होंने कहा कि बेन स्टोक्स की टीम को शुरुआती मैचों में लय बनानी होगी, क्योंकि शुरुआती जीत सीरीज का रुख तय कर सकती है। इंग्लैंड ने 2015 के बाद से कोई एशेज नहीं जीती है जिसमें 2019 और 2023 की सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही थीं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया में उनकी आखिरी जीत 2010-11 में 3-1 से आई थी। शास्त्री का मानना है कि इस बार इंग्लैंड के पास बेहतर मौका है।

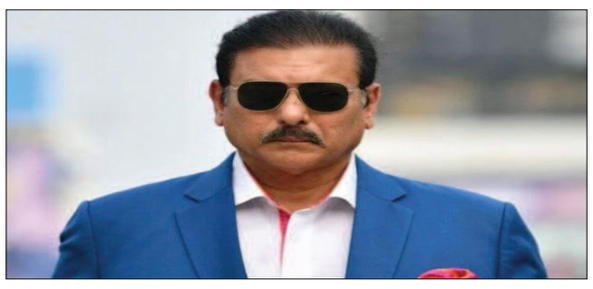

### इंग्लैंड को चाहिए मजबूत शुरुआत

रवि शास्त्री, जिन्होंने 2017 से 2021 तक भारत के मुख्य कोच के रूप में कार्य किया, ऑस्ट्रेलिया की परिस्थितियों में जीत का अनुभव रखते हैं। भारत को उनके कार्यकाल में दो बार ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीत मिली थी। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम को हराने के लिए लय और आत्मविश्वास जल्दी हासिल करना होगा।

शास्त्री ने स्वहक्त ब्रेकफास्ट शो में कहा, 'अगर आप पिछली दो-तीन सीरीज देखें जो इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया में खेली हैं, तो वे बुरी तरह हारे हैं। लेकिन इस बार उनके पास मौका है। अगर उनके तेज गेंदबाज पहले तीन टेस्ट में पूरी तरह फिट रहते हैं, तो वे शुरुआती बढ़त बना सकते हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि इंग्लैंड की बल्लेबाजी लाइन-अप अब पहले से कहीं ज्यादा संतुलित है और 'बैजबॉल रणनीति' अगर सही समय पर काम करे, तो यह ऑस्ट्रेलिया को दबाव में डाल सकती है।

### पैट कमिंस की अनुपस्थिति, इंग्लैंड के लिए मौका

शास्त्री ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति इंग्लैंड के लिए फायदेमंद हो सकती है। इस बार स्टीव स्मिथ कप्तान के रूप में टीम की कमान संभाल रहे हैं, और शास्त्री के अनुसार, यह इंग्लैंड के लिए 'अच्छा प्रदर्शन करने का सबसे बड़ा अवसर÷ है।

उन्होंने कहा, 'कमिंस के न खेलने से इंग्लैंड के पास सबसे अच्छा मौका है। उन्हें बस जल्दी तालमेल बिठाना होगा और शुरुआती टेस्ट में बढ़त बनानी होगी। अगर वे ऐसा कर लेते हैं, तो ऑस्ट्रेलिया पर मानसिक दबाव बन सकता है।' शास्त्री का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया में शुरुआत में बढ़त बनाना ही सीरीज जीतने की कुंजी है क्योंकि एक बार घरेलू टीम रफ्तार पकड़ ले, तो उसे हराना मुश्किल हो जाता है।

### जेवियर बार्टलेट को टीम से बाहर रखने पर सवाल

रवि शास्त्री ने ऑस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय टीम के चयन पर भी अपनी राय दी और खासतौर पर तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट को बाहर रखने पर आश्चर्य जताया। 26 वर्षीय बार्टलेट ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के लिए व्हाइट-बॉल क्रिकेट में डेब्यू किया था और सिर्फ 5 वनडे में 15 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया था। शास्त्री ने कहा, 'मैंने जब ऑस्ट्रेलिया की टीम देखी, तो मुझे लगा जेवियर बार्टलेट को ज़रूर शामिल किया जाएगा। वह शानदार फॉर्म में हैं और टेस्ट क्रिकेट के लिए एक संभावित विकल्प माने जा रहे थे। फिर भी, यह ऑस्ट्रेलिया का मजबूत बॉलिंग अटैक है, खासकर पर्थ की तेज़ और उछालभरी पिच पर।'

### ऑस्ट्रेलिया की परिस्थितियों में इंग्लैंड के लिए चुनौती

शास्त्री ने यह भी माना कि भले ही इंग्लैंड का स्क्वाड संतुलित दिख रहा हो, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की परिस्थितियों में खेलना हमेशा कठिन होता है। पर्थ और एडिलेड जैसी जगहों पर गेंदबाज़ों को बाउंस और स्विंग दोनों मिलती है, जिससे बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती खड़ी होती है। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई पिचें आसान नहीं होतीं। वहां बल्लेबाज को हर रन के लिए मेहनत करनी पड़ती है। अगर इंग्लैंड के गेंदबाज शुरुआती विकेट निकाल सकें और बल्लेबाज़ लंबे समय तक टिकें, तो सीरीज में उलटफेर संभव है।'

# टी20 में भारतीय टीम को हराने इन दो खिलाड़ियों पर लगाना होगा अंकुश : अश्विन

चेन्नई। पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि टी20 में भारतीय टीम को हराने के लिए विरोधी टीम को आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और रहस्यमीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पर अंकुश लगाना होगा जो बेहद कठिन है। अश्विन ने कहा, अभी तक मैं कह रहा था कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर नियंत्रण रखना होगा पर अब मुझे लगता है कि जिस प्रकार से टिम डेविड ने वरुण पर नियंत्रण किया वैसा ही करना होगा। मुझे लगता है कि अगर टीमों को भारत से जीतना है तो वे अभिषेक और वरुण को निशाना बनाएंगी। अभिषेक के खिलाफ, हम इस सीरीज में उनकी बनाई रणनीति जरूर देखेंगे और वे उसे जरूर लागू करेंगे। जो भी टीमें आ रही हैं, वे विश्वकप की तैयारी के साथ आ रही हैं। वरुण के खिलाफ भी ऐसा ही होगा, क्योंकि इससे विरोधी टीमों को टी20 विश्व कप में बढ़त मिलेगी। अश्विन ने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज़ों ने अभिषेक को ऑफ स्टंप के बाहर वाइड एंगल से गेंदें डालकर उनकी आक्रामकता रोकने का प्रयास किया है।

# अक्षर ने बताया सफलता का राज

गोल्ड कोस्ट। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टीम मैच में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले स्पिर ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने कहा कि उन्होंने अपनी पिछली गलतियों सबक लेते हुए शॉट खेले जिसका लाभ उन्हें मिला। अक्षर ने इस मैच में 11 गेंदों में एक चौका और एक छक्का लगाकर नाबाद 21 रन बनाये। उन्होंने इस दौरान अंतिम ओवर में मार्कस स्टोइनिस के खिलाफ लगातार गेंदों पर चौका और छक्का भी लगाया। अक्षर ने गेंदबाजी में भी जबरदस्तम प्रदर्शन करते हुए दो विकेट लिए। भारत ने इस मैच को 48 रन से जीतकर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना अक्षर को गेंद और बल्ले से अहम भूमिका निभाने के कारण प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला।

अक्षर ने ' कहा, '' मुझे पता था कि रन बनाना कठिन होगगा क्योंकि लगातार विकेट गिर रहे थे। ड्रेसिंग रूम से मुझे यही मैसेज मिला कि मुझे आखिरी ओवर क्रीज पर जमे रहो।'' साथ ही कहा, ''मैंने सोचा कि आखिरी ओवर में बड़े शॉट लगाउंगा। साइड की बाउंड्री की दूरी अधिक थी लेकिन मैंने सोचा कि अगर मैं अपनी लय बनाए रखूं और गेंद पर नजर रखूं तो मैं गेंद को बाउंड्री के पार भेज सकता हूं।'' उन्होंने कहा, ''मैंने पहले भी महसूस किया है कि अगर मैं बाउंड्री के आकार के बारे में सोचता था तो उस तरफ शॉट नहीं खेलता था। ऐसे में यह पहले से तय शॉट बन जाता था और मैं गलतियां कर बैठता था। मैंने पिछली गलतियों से सबक लेकर यहां अपने शॉट में सुधार किये।''

# भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे: मंडाविया बोले- देश को ओलंपिक में मिली पहचान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) और हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को नई दिल्ली के ऐतिहासिक मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में एक भव्य शताब्दी समारोह के साथ भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाया। हॉकी इंडिया की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ऐतिहासिक अवसर पर केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया, संसदीय और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू, तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री थिरु उदयनिधि स्टालिन, ओडिशा के खेल और युवा सेवा मंत्री सूर्यवंशी सूरज, एफआईएच के अध्यक्ष दातो तैय्यब इकराम सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, हॉकी के दिग्गज और राष्ट्रीय टीमों के सदस्य मौजूद थे।

यह समारोह खेल उत्कृष्टता, गौरव और एकता की एक शताब्दी का प्रतीक है, जो 1925 में भारतीय हॉकी की शुरुआत से लेकर आधुनिक युग में इसके पुनरुत्थान तक के सफ़र का सम्मान करता है। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मंडाविया ने इस उपलब्धि का हिस्सा बनने पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा, 'इस खेल ने कई पड़ाव देखे हैं, और ओलंपिक में हॉकी के माध्यम से ही हमने दुनिया को दिखाया कि भारत खेलों में क्या हासिल कर सकता है। हमने तब से कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अपने समृद्ध इतिहास के साथ, भारतीय हॉकी एक बार फिर उभर रही है और एक और ओलंपिक पदक की ओर बढ़ रही है। आज जब देश भर में 1,000 से ज़्यादा मैच खेले जा रहे हैं, तो पूरा

भारत इस गौरवशाली क्षण का आनंद ले रहा है। भारत सरकार हमारे खिलाड़ियों और खेल का हर संभव तरीके से समर्थन करती रहेगी। मैं हॉकी इंडिया, खिलाड़ियों, कोचों और प्रशंसकों को इस उल्लेखनीय यात्रा का हिस्सा बनने के लिए बधाई देता हूँ।'

संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने इस ऐतिहासिक दिन पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, 'मैं इस विशेष अवसर पर खेल के दिग्गजों के बीच उपस्थित होकर खुद को सौभाग्यशाली मानता हूँ। भारतीय हॉकी के लिए यह एक लंबी और प्रेरणादायक यात्रा रही है। मैं हॉकी इंडिया को वर्तमान सितारों के साथ-साथ हमारे महान खिलाड़ियों को सम्मानित करने और हमारे समृद्ध इतिहास को हमारे उज्ज्वल भविष्य के साथ जोड़ने के लिए बधाई देता हूँ। इस अविश्वसनीय यात्रा का हिस्सा रहे सभी लोगों को बधाई।'

एफआईएच के अध्यक्ष दातो तैय्यब इकराम ने कहा, 'भारतीय हॉकी के इस ऐतिहासिक पड़ाव का हिस्सा बनना खुशी की बात है। आज हम अपने दिग्गजों, खिलाड़ियों, प्रशंसकों और प्रशासकों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने इस यात्रा को आकार दिया है। भारत ने 100 वर्षों तक विश्व हॉकी में नेतृत्व किया है, लचीलापन और नवीनता का प्रदर्शन किया है। मैं भारत सरकार और हॉकी इंडिया को उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूँ। टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में भारत का पुनरुत्थान उसकी ताकत दर्शाता है, और मुझे विश्वास है कि अगले 100 वर्ष भारतीय हॉकी के लिए और भी उज्जवल होंगे।'

डॉ. मनसुख मंडाविया की अगुवाई वाली खेल मंत्री एकादश और डॉ. दिलीप तिर्की की अगुवाई वाली हॉकी इंडिया एकादश के बीच एक प्रदर्शनी मैच ने दिन का आगाज किया। इस मैच में खेल मंत्रालय एकादश ने ब्यूटी डुंगडुंग, सलीमा टेटे और कृष्णा पाठक के गोलों की बदौलत 3-1 से जीत हासिल की, जबकि हॉकी इंडिया एकादश के लिए मनप्रीत सिंह ने गोल किया।

# अंगोला के खिलाफ मैत्री मैच में अर्जेंटीना की टीम की अगुवाई करेंगे मेसी

ब्यूनस आयर्स। लियोनेल मेसी 14 नवंबर को लुआंडा में अंगोला के खिलाफ होने वाले मैत्री मैच में अर्जेंटीना की टीम की अगुवाई करेंगे। मैनेजर लियोनेल स्कालोनी ने गुरुवार को 24 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जिसमें तीन नए खिलाड़ी शामिल हैं। बेनफिका के विंगर जियानलुका प्रेस्टियानी, स्ट्रासबर्ग के फॉरवर्ड जोआक्विन पैनिकेली और कोमो के मिडफील्डर मैक्सिमो पेरोन दक्षिण अमेरिकी चैंपियन के लिए चुने गए नए खिलाड़ियों में शामिल हैं। 14 नवंबर को लुआंडा में होने वाला यह मुकाबला आगामी फीफा अंतरराष्ट्रीय सत्र में दक्षिण अमेरिकी टीम का एकमात्र मैत्रीपूर्ण मैच होगा। जैसा कि अपेक्षित था, मेसी एक आक्रामक टीम की अगुवाई करेंगे जिसमें लुटारो मार्टिनेज और जूलियन अल्वारेज भी शामिल हैं। मौजूदा विश्व कप और कोपा अमेरिका चैंपियन गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज के बिना मैदान में उतरेंगे, जो पिंडली की चोट से उबर रहे हैं। यह मैत्री मैच 2026 फीफा विश्व कप से पहले, जो संयुक्त राज्य अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में खेला जाएगा, स्कोलोनी के लिए इस टीम के साथ प्रयोग करने का आखिरी मौका होगा।

**अर्जेंटीना टीम :** गोलकीपर ः गेरोनिमो रुल्ली, वाल्टर बेनिटेज।

डिफेंडर ः नहुएल मोलिना, जुआन फोयथ, क्रिस्टियन रोमेरो, निकोलस ओटामेंडी, माकरस सेनेसी, निकोलस टैग्लियाफिको, वैलेंटिन बाकर।

मिडफील्डर ः एलेक्सिस मैक एलिस्टर, मैक्सिमो पेरोन, रोड्रिगो डी पॉल, एंजो फर्नांडीज, थियागो अल्माडा, जियोवानी लो सेल्सो, निकोलस पाज।

फॉरवर्ड ः लियोनेल मेसी, गिउलिआनो शिमोन, जियानलुका प्रेस्टियानी, निकोलस गोंजालेज, लुटारो मार्टिनेज, जोस मैनुअल लोपेज, जूलियन अल्वारेज, जोकिन पैनिचेली।

# 'मुझे लग रहा था कि वह उस दिन कुछ खास करेगी', महिला विश्व कप फाइनल में इस प्लेयर के प्रदर्शन पर बोली प्रतिका

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मनोविज्ञान की छात्रा होने के नाते प्रतिका रावल को थोड़ी समझ है कि मानव मस्तिष्क किस तरह काम करता है और उनकी अंतरात्मा से उन्हें महसूस हुआ कि विश्व कप नॉकआउट में उनकी जगह लेने वाली शेफाली वर्मा फाइनल में कुछ खास करेगी। हालांकि प्रतिका टखने और घुटने की चोट के कारण अपने करियर के सबसे अहम दो मैच में खेलने से चूक गईं लेकिन उनका शेफाली के बारे में अंदाजा बिलकुल सही रहा।

प्रतिका ने कहा, 'शेफाली को प्रेरणा की जरूरत नहीं है। फाइनल से पहले वह मेरे पास आई और बोली, 'मुझे सच में अफसोस है कि तुम नहीं खेल सकती' और मैंने उससे कहा कि कोई बात नहीं, ऐसी चीजें होती रहती हैं। मुझे लग रहा था कि वह उस दिन कुछ खास करेगी।' प्रतिका ने टूर्नामेंट में 308 रन बनाए जिससे वह लौरा वोल्वार्ट (571), स्मृति मंधाना (434) और एशले गार्डनर (328) के बाद चौथे स्थान पर रहीं। लेकिन भारत के बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी ग्रुप लीग मैच में चोटिल हो गई।

उन्होंने कहा, 'मुझे यह नहीं कहना चाहिए कि मैं अभी मनोवैज्ञानिक हूं क्योंकि मैंने अपनी मास्टर डिग्री पूरी नहीं की है। लेकिन मनोविज्ञान का अध्ययन करने वाली एक छात्रा के तौर पर मुझे मानवीय भावनाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली जिसमें मेरी अपनी भावनाएं भी शामिल हैं।' प्रतिका ने कहा, 'पहली बात कि जो हो गया उसे स्वीकार करें। आप उसे वापस नहीं ला सकते। एक बार जब मैंने चोट को स्वीकार कर लिया तो मैंने केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित किया जिन पर मैं नियंत्रण कर सकती थी और वो था चोट से उबरना, नींद लेना, पोषण और टीम का समर्थन करते रहना।'

उन्होंने कहा, 'मुझे चोट लगने से निराशा जरूर हुई लेकिन मैं इससे हताश नहीं हुई। मेरे पिताजी हमेशा मेरे साथ थे, मेरे कोच मेरा हालचाल पूछते रहते थे, मेरी मां और भाई के रोज फोन करते थे। मेरे पास एक बहुत अच्छा 'सपोर्ट सिस्टम' है। उन्होंने मुझे निराश या अकेला महसूस नहीं होने दिया।'

उन्होंने स्वीकार किया कि पिछले रविवार को जब उनकी साथी खिलाड़ी मैदान पर उन्हें (व्हीलचेयर पर) जश्न मनाने के लिए ले गईं तब उन्हें विश्वास ही नहीं हो रहा था। उन्होंने कहा, 'मुझे इस बात को स्वीकार करने में बहुत समय लगेगा कि हमने विश्व कप जीत लिया है।' इस युवा बल्लेबाज ने जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात के दौरान के हल्के-फुल्के पलों को साझा करते हुए कहा, 'उन्होंने मुझे भेल खाने की पेशकश की क्योंकि मैं व्हीलचेयर पर थी। मैंने सोचा, 'यह अब तक की सबसे महंगी भेल है!'

# मुम्बई इंडियंस ने हरमनप्रीत को दूसरे, नैट साइवर-ब्रंट को पहले नंबर पर रिटेन किया

मुम्बई (। महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) नीलामी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को मुम्बई इंडियंस ने दूसरे नंबर पर रिटेन किया। विश्वकप जीतने के बाद दूसरी सबसे ज्यादा मांग हरमनप्रीत कौर की है। इसके बाद भी उन्हें दूसरे नंबर पर रखा गया है। वहीं पहले नंबर पर इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट को रखा गया है। नीलामी के लिए सभी छह फ्रैंचाइजी ने अपनी रिटेंशन सूची जारी कर दी है। इसमें बड़े नाम अपनी टीम के साथ बरकरार हैं तो कई खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया गया है। हरमनप्रीत को दूसरे नंबर पर रिटेन होने के कारण एक करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है पर उन्होंने रिटेंशन के लिए सहमति दे दी है। अब उनकी जगह इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट को सबसे ज्यादा पैसे मिलेंगे। नेट को जहां मुंबई इंडियंस से 3.5 करोड़ रुपये मिलेंगे, जबकि हरमनप्रीत को 2.5 करोड़ रुपये मिलेंगे। हरमन को साल 2023 में पहली नीलामी के बाद पिछले तीन सत्र में 1.8 करोड़ रुपये मिले थे। नैट साइवर-ब्रंट हरमनप्रीत की कप्तानी वाली मुम्बई इंडियंस टीम की सबसे अहम खिलाड़ी रही हैं। नैट 1072 रनों के साथ ही टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। वह 32 विकेट लेकर पांचवीं सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज भी हैं। नताली लेस्बियन हैं और उनकी शादी कैथरीन ब्रंट से हुई है। कैथरीन भी दिग्गज क्रिकेटर रहीं हैं। इस जोड़ी ने मिलकर इंग्लैंड को 2017 का महिला विश्व कप जिताया था।

## अभिनेत्री कटरीना ने दिया बेटे को जन्म, स्टार्स और फैंस ने दी बधाईयां

विकी-कैट ने शेयर की पोस्ट लिखा- हम अपने बेबी बॉय का स्वागत करते हैं

कटरीना कैफ और विकी कौशल के फैंस के लिए अच्छी खबर है। कटरीना ने एक बेटे को जन्म दिया है। बेटे के जन्म के साथ ही कैटरीना और विकी की फैमिली में खुशियों का माहौल है। दोनों ने सोशल मीडिया पर एक प्यारा पोस्ट कर सबको ये खुशखबरी दी, जिसपर स्टार्स और फैंस उन्हें बधाई दे रहे हैं। दोनों ने पोस्ट शेयर कर लिखा- हमारे घर खुशियां आई हैं। हम अपने बेबी बॉय का स्वागत करते हैं... 7 नवंबर 2025। कटरीना और विकी। इस पोस्ट को शेयर कर विकी ने लिखा- 'आशीर्वाद'। सब सेलेब्स उन्हें बधाई दे रहे हैं। करीना ने लिखा- कैटज्वेलकम टू बॉय मम्मा क्लब। तुम्हारे और विकी के लिए बहुत खुश हूं। प्रियंका चोपड़ा ने लिखा- दोनों के लिए बहुत खुश हूं, बधाई। आयुष्मान खुराना ने लिखा- बेस्ट न्यूजज्दोनों को बधाई।

बता दें 23 सितंबर को विकी और कटरीना ने अनाउंस किया था कि दोनों जल्द माता-पिता बनने वाले हैं। उन्होंने लिखा था कि ये उनकी लाइफ का बेस्ट चैप्टर है। विकी ने कुछ दिनों पहले एक इंटरव्यू में पिता की जर्नी शुरू होने से पहले कहा था कि मैं काफी एक्साइटेड हूं और ये बहुत बड़ा आशीर्वाद है। एक्साइटिंग टाइम है और फिंगर क्रॉस। बता दें विकी और कटरीना ने 2021 में शादी की थी। दोनों की जोड़ी फैंस की फेवरेट जोड़ी में से एक है। काफी समय से कटरीना की प्रेग्नेंसी की खबरें आ रही थीं, लेकिन दोनों ने इसे छिपाकर रखा था और सितंबर में फिर सबको गुड न्यूज दी थी।

## सोनाली ने कन्नड़ फिल्म चेलुवी से की थी कॅरियर की शुरुआत

अभिनेत्री सोनाली कुलकर्णी भारतीय सिनेमा की उन अदाकाराओं में से हैं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से भाषाओं और सीमाओं की दीवारें तोड़ दीं। हिंदी और मराठी फिल्मों की जानी-मानी एक्ट्रेस सोनाली ने अपने करियर की शुरुआत 1992 में मशहूर निर्देशक गिरीश कर्नाड की कन्नड़ फिल्म चेलुवी से की थी। यह फिल्म न सिर्फ नेशनल अवॉर्ड विनर रही, बल्कि कांस फिल्म फेस्टिवल में भी प्रदर्शित हुई, जिससे सोनाली को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान मिली। सोनाली कुलकर्णी की सबसे बड़ी खासियत यह रही है कि उन्होंने सात अलग-अलग भाषाओं कन्नड़, मराठी, हिंदी, तमिल, गुजराती, अंग्रेजी और इतालवी में काम किया है। इस विविधता के कारण उन्हें 卐बहुभाषी सुपरस्टार卐 कहा जाता है। उन्होंने न केवल भारत की फिल्मों में बल्कि हॉलीवुड और यूरोपियन सिनेमा में भी अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया।

पढ़ाई के साथ-साथ सोनाली ने बचपन से ही कला और नृत्य में गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने भरतनाट्यम में 11 साल तक प्रशिक्षण लिया और पॉलिटिकल साइंस में ग्रेजुएशन किया।

मराठी साहित्य में स्कॉलरशिप पाने के बाद भी उनका दिल अभिनय की ओर खिंचता चला गया। कॉलेज के दिनों में पहली फिल्म साइन करते वक्त उन्हें क्लास मिस होने की चिंता थी, मगर गिरीश कर्नाड के प्रोत्साहन ने उनकी दिशा तय कर दी। सोनाली की पहली मराठी फिल्म मुक्ता (1994) थी, जिसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। हिंदी फिल्मों में वह दिल चाहता है, मिशन कश्मीर, डरना जरूरी है, और सिंघम जैसी फिल्मों से पहचानी जाती हैं, जबकि मराठी सिनेमा में देवराई, दोघी, कैरी, सखी और देऊळ जैसी फिल्मों ने उन्हें विशेष लोकप्रियता दिलाई।

अभिनय के साथ-साथ सोनाली एक सफल लेखिका भी हैं। उन्होंने मराठी अखबार में 'सो कूल' नाम से कॉलम लिखा, जो इतना लोकप्रिय हुआ कि लोग उन्हें उसी नाम से पहचानने लगे। सोनाली को उनके अभिनय और बहुभाषी योगदान के लिए कई सम्मान मिले हैं, जिनमें मिलान फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड (2006), चार फिल्मफेयर अवॉर्ड्स और महाराष्ट्र स्टेट फिल्म अवॉर्ड शामिल हैं। पर्सनल लाइफ में उन्होंने पहले मराठी निर्देशक चंद्रकांत कुलकर्णी से शादी की थी, बाद में 2010 में टीवी एग्जीक्यूटिव नचिकेत पंतवैद्य से विवाह किया। उनकी एक बेटी है।

## इंडिपेंडेंट फिल्मों के सामने कई बाधाएं मौजूद: किरण राव

फिल्ममेकर किरण राव ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने फिल्मों की पहुंच तो बढ़ाई है, लेकिन थिएटर में जाकर फिल्म देखने का अनुभव आज भी दर्शकों के लिए खास मायने रखता है। फिल्ममेकर किरण राव ने 14वें धर्मशाला इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के दौरान अपने विचार साझा किए। किरण राव ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में फिल्म निर्माण और वितरण के तरीके काफी बदले हैं, लेकिन इंडिपेंडेंट फिल्मों के सामने अब भी कई बाधाएं मौजूद हैं। उन्होंने भारत की ऑस्कर प्रविष्टि फिल्म होमबाउंड का उदाहरण देते हुए कहा कि अब दर्शकों का स्वाद पहले से कहीं ज्यादा बदल चुका है। 卐पहले लोग केवल बड़े सितारों वाली फिल्मों को पसंद करते थे, लेकिन अब दर्शक नई कहानियों, नए चेहरे और अनोखे विषयों की ओर भी आकर्षित हो रहे हैं। इसका बड़ा श्रेय ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को जाता है, जिन्होंने फिल्मों को घर-घर तक पहुंचाने का काम किया है,' उन्होंने कहा। हालांकि, राव ने एक अहम सवाल भी उठाया 'क्या दर्शक इंडिपेंडेंट फिल्मों के लिए पैसे देने को तैयार हैं?' उन्होंने कहा, 卐यह हर फिल्ममेकर के मन में उठने वाला सबसे बड़ा सवाल है। क्या कोई दर्शक 150 रुपये देकर होमबाउंड या सबर बोंडा जैसी फिल्में देखने थिएटर तक जाएगा? अगर लोग नहीं आएंगे, तो इतनी मेहनत, समय और संसाधन लगाने का क्या मतलब रह जाएगा?卐 किरण राव, जो पिछले एक दशक से इंडिपेंडेंट सिनेमा को प्रोत्साहित कर रही हैं, ने बताया कि इन फिल्मों की सबसे बड़ी चुनौती उनकी डिस्ट्रिब्यूशन है। उन्होंने कहा, 'फिल्में बन जाती हैं, लेकिन उन्हें सही मंच तक पहुंचाना मुश्किल है। बड़े बजट की फिल्मों की तुलना में इंडिपेंडेंट फिल्मों को थिएटर स्क्रीन या प्रमुख प्लेटफॉर्म्स पर जगह पाना आज भी कठिन है।'

उन्होंने यह भी कहा कि इंडिपेंडेंट सिनेमा भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की रचनात्मक आत्मा है, लेकिन इसके लिए दर्शकों का सहयोग जरूरी है। 'अगर हम चाहते हैं कि विविधता भरी कहानियां कही जाएं, तो हमें भी ऐसी फिल्मों को देखने और समर्थन देने की आदत डालनी होगी,' उन्होंने कहा। किरण राव का यह बयान आज के दौर में इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स के संघर्ष और दर्शकों की जिम्मेदारी दोनों पर गहराई से रोशनी डालता है। मालूम हो कि भारत में इंडिपेंडेंट फिल्मों का सफर हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है। शानदार कहानियों और उम्दा अभिनय के बावजूद इन फिल्मों को सही दर्शकों तक पहुंचाना अक्सर सबसे कठिन काम बन जाता है।

## 'जटाधारा' रिलीज़ से पहले ही जबरदस्त चर्चा में

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू अभिनीत मैग्नम ओपस 'जटाधारा' अपनी रिलीज़ से पहले ही जबरदस्त चर्चा में है। वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल के निर्देशन में बनी 'जटाधारा' की टीम ने इसकी प्रामाणिकता को बनाए रखने के लिए वास्तविक तांत्रिक अनुष्ठानों का आयोजन किया, जिससे दृश्यों में आध्यात्मिक ऊर्जा और वास्तविकता झलके।

फिल्म की शूटिंग के दौरान हुए इन अनुष्ठानों में असली मंत्रों का जाप किया गया और प्रशिक्षित तांत्रिकों की देखरेख में पूरा माहौल तैयार किया गया। यह फिल्म न केवल एक अलौकिक ड्रामा है, बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था और रहस्यमय अनुष्ठानों से जुड़ी एक गहरी सिनेमाई यात्रा भी है। निर्देशक वेंकट कल्याण ने कहा, 卐हम केवल रहस्यमयी ऊर्जा को दिखाना नहीं, बल्कि उसे महसूस करना चाहते थे। 'जटाधारा' जैसी कहानी सिर्फ इफेक्ट्स से नहीं, बल्कि उस भावनात्मक गहराई से जुड़ती है जो मनुष्य को अदृश्य से संबंध जोड़ने की प्रेरणा देती है।卐 फिल्म की निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने बताया कि 'जटाधारा' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि आस्था और निडरता से जन्मा एक अनुभव है। उन्होंने कहा, 卐हम ऐसा संसार बनाना चाहते थे जो सच्चा और आत्मिक लगे। हर मंत्र, हर भावना वास्तविकता से उपजी थी। सेट का माहौल इतना शक्तिशाली था कि ऐसा लगता

था मानो सिनेमा और दिव्यता का संगम हो गया हो।卐 सह-निर्देशक अभिषेक जायसवाल ने भी कहा कि इस फिल्म में विजुअल इफेक्ट्स पर निर्भर रहने के बजाय प्रामाणिकता पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा, 'जो ध्वनि और कंपन प्राचीन अनुष्ठानों में होती है, वही दर्शकों तक पहुंचाना हमारा उद्देश्य था। सेट पर वे पल बेहद ऊर्जावान थे और यकीन है दर्शक भी उसकी तीव्रता को महसूस करेंगे।' 'जटाधारा' ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत एक द्विभाषी सुपरनैचुरल फैंटेसी थ्रिलर है, जिसे उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा ने मिलकर बनाया है। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू के साथ दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, रोहित पाठक और झांसी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

## छोटी फिल्मों का थियेटर में जगह बनाना मुश्किल: हुमा कुरैशी

सीमित संसाधनों में बनी छोटी फिल्मों के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है थिएटर में स्क्रीन और शो टाइम की कमी। यही वजह है कि कई बार मजबूत कहानी और उत्कृष्ट अभिनय के बावजूद, ये फिल्में दर्शकों तक नहीं पहुंच पातीं। इसी मुददे को लेकर हाल ही में अभिनेत्री और निर्माता हुमा कुरैशी ने इसी मुद्दे पर खुलकर आवाज उठाई। उनकी फिल्म सिंगल सलमा को देशभर में बेहद सीमित स्क्रीन पर रिलीज किया गया, जिससे उन्होंने सोशल मीडिया पर नाराजगी जाहिर की। हुमा ने लिखा, 'सिंगल सलमा' जैसी फिल्मों में न तो बड़े स्टार होते हैं और न ही करोड़ों का मार्केटिंग बजट। ऐसे में थिएटर में अपनी जगह बनाना बेहद मुश्किल हो जाता है। सिस्टम अब भी उन्हीं फिल्मों को प्राथमिकता देता है, जिनमें बड़ा नाम या बड़ा पैसा जुड़ा होता है।' हुमा की इस पोस्ट ने दर्शकों और फिल्म इंडस्ट्री दोनों में व्यापक बहस छेड़ दी। देश के कई शहरों—जैसे दिल्ली, लखनऊ, कोलकाता और पटना के फैंस ने उनकी बात का समर्थन किया और थिएटर मालिकों से फिल्म के शो बढ़ाने की मांग की। कई दर्शकों ने सोशल मीडिया पर टिकट बुकिंग ऐप्स के स्क्रीनशॉट साझा किए, जिनमें दिख रहा था कि सिंगल सलमा के शो या तो हाउसफुल हैं या फिर उपलब्ध ही नहीं। इससे साफ है कि दर्शकों की दिलचस्पी मौजूद है, लेकिन थिएटर वितरण प्रणाली की असमानता के कारण उन्हें मौका नहीं मिल पा रहा।

## 'फोन भूत' का क्लिप साझा कर जैकी श्रॉफ ने यादें की ताजा

बॉलीवुड की हॉरर कॉमेडी फिल्म 'फोन भूत' के तीन साल पूरे होने पर अभिनेता जैकी श्रॉफ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म से जुड़ी यादें ताजा कीं। फिल्म का क्लिप साझा करते हुए जैकी ने कैप्शन में लिखा, 'फिल्म फोन भूत के रिलीज के तीन साल पूरे हो गए हैं।' एक्टर के इस पोस्ट के बाद फैंस ने कमेंट सेक्शन में फिल्म के मजेदार पलों को याद करते हुए उन्हें बधाई दी। कहानी दो दोस्तों मेजर (सिद्धांत चतुर्वेदी) और गुल्लू (ईशान खट्टर) के इर्द-गिर्द घूमती है, जिन्हें भूतों का खासा शौक होता है। उनके घर की दीवारें और सजावट भूतिया माहौल का अहसास कराती हैं। एक दिन दोनों भूतिया थीम वाली पार्टी का आयोजन करते हैं, लेकिन उसी दौरान उन्हें करंट लग जाता है। इसके बाद उन्हें एक भटकती आत्मा रागिनी (कैटरीना कैफ) दिखाई देती है, जो तांत्रिक आत्माराम (जैकी श्रॉफ) से अपने प्रेमी को बचाने के लिए उनकी मदद चाहती है। रागिनी दोनों को एक बिजनेस आइडिया देती है और उन्हें 'फोन भूत हेल्पलाइन' शुरू करने के लिए प्रेरित करती है, ताकि वे लोगों को भूतों से निजात दिला सकें। वह यह वादा भी करती है कि वह उन्हें पैसा और शोहरत दिलाने में मदद करेगी। शुरुआत में सब कुछ मजेदार ढंग से चलता है, लेकिन कहानी में मोड़ तब आता है जब दोनों को पता चलता है कि रागिनी असल में आत्माराम से बदला लेने के मकसद से उनके पास आई थी, क्योंकि उसी तांत्रिक ने उसकी जिंदगी तबाह कर दी थी। जैकी श्रॉफ का किरदार फिल्म में रहस्यमय और डरावना दोनों था, जिसने दर्शकों को खूब प्रभावित किया। अपने करियर में जैकी अब तक 220 से ज्यादा फिल्मों में नजर आ चुके हैं। एक्शन, ड्रामा और कॉमेडी हर शैली में उन्होंने अपनी अलग छाप छोड़ी है। अब अभिनेता अपनी अगली फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा' में दिखाई देंगे, जिसका निर्देशन समीर विद्वांस ने किया है। इस फिल्म में जैकी के साथ नीना गुप्ता, कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी यह फिल्म करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, शरीन मंत्री केडिया और किशोर अरोड़ा द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित की गई है। 'तू मेरी मैं तेरा' 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मालूम हो कि गुरमीत सिंह के निर्देशन में बनी फिल्म फोन भूत में कैटरीना कैफ, सिद्धांत चतुर्वेदी, ईशान खट्टर, जैकी श्रॉफ और शीबा चड्ढा मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे।

## मीना कुमारी का किरदार निभाएगी कियारा आडवाणी

मदरहुड का आनंद लेने का बाद एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने अपनी पहली फिल्म साइन कर ली है, जो बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा मीना कुमारी की जिंदगी पर आधारित होगी। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले साल निर्देशक सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने मीना कुमारी और कमाल अमरोही की कहानी पर आधारित बायोपिक 'कमाल और मीना' की घोषणा की थी। तब से यह चर्चा में था कि इस फिल्म में 卐ट्रेजेडी क्वीन卐 मीना कुमारी का किरदार कौन निभाएगा। लंबे समय से कृति सेनन और कियारा आडवाणी के नामों को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन अब एक रिपोर्ट ने यह साफ कर दिया है कि कियारा आडवाणी को इस प्रतिष्ठित रोल के लिए फाइनल कर लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, फिल्ममेकर को कियारा में वह भावनात्मक गहराई और विंटेज बॉलीवुड चार्म मिला है, जो मीना कुमारी के किरदार के लिए जरूरी था। बताया गया है कि कियारा इस भूमिका की तैयारी में पूरी तरह जुटने वाली हैं।

## फिर से वायरल हो रहे ऐश्वर्या और अभिषेक के पुराने बयान

पिछले साल से बॉलीवुड कपल्स ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के बीच दूरियों और तलाक की अफवाहें लगातार चर्चा में हैं। कपल्स के पुराने इंटरव्यू और बयान सोशल मीडिया पर फिर से वायरल हो रहे हैं, जिनसे पता चलता है कि कभी यह कपल अपने रिश्ते को लेकर कितना खुलकर बात करता था। साल 2007 में शादी के बंधन में बंधे ऐश्वर्या और अभिषेक की जोड़ी को फैंस आज भी 卐परफेक्ट कपल卐 मानते हैं। दोनों शादी के बाद टीवी होस्ट ओपरा विंफ्रे के शो पर भी नज़र आए थे, जहां उन्होंने अपनी लव स्टोरी से लेकर शादी तक के सफर के बारे में खुलकर बात की थी। अभिषेक ने उस शो में बताया था कि उन्होंने ऐश्वर्या को न्यूयॉर्क के एक होटल की बालकनी में फिल्म गुरु की शूटिंग के दौरान प्रपोज किया था।

इसी शो के दौरान ओपरा ने भारतीय शादियों की भव्यता पर चर्चा करते हुए कहा था कि इतनी ग्रैंड शादी के बाद अगर दिक्कतें आती हैं, तो तलाक लेना कितना मुश्किल होता है। इस सवाल पर ऐश्वर्या राय बच्चन ने बेहद सधे अंदाज में जवाब दिया था। उन्होंने कहा था कि वह और अभिषेक तलाक के बारे में कभी सोचते भी नहीं हैं। ऐश्वर्या ने मुस्कुराते हुए कहा था, 卐हम कोशिश भी नहीं करते हैं कि इस बारे में सोचें।卐 इस इंटरव्यू में ऐश्वर्या ने अभिषेक के परिवार के साथ रहने पर भी बात की थी और बताया था कि वह खुद को बेहद भाग्यशाली मानती हैं कि उन्हें इतना प्यार करने वाला परिवार मिला है। उनकी यह स्पष्ट और सकारात्मक सोच उस वक्त भी लोगों को खूब पसंद आई थी।

आज जब उनके रिश्ते को लेकर तरह-तरह की बातें की जा रही हैं, तो उनके पुराने बयान एक बार फिर लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गए हैं। फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि यह पावर कपल इन अफवाहों को जल्द ही पीछे छोड़कर फिर से एक साथ मीडिया के सामने नजर आए। बता दें कि बॉलीवुड के सबसे चर्चित कपल्स में शुमार ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन इन दिनों एक बार फिर सुर्खियों में हैं। पिछले साल से दोनों के बीच दूरियों और तलाक की अफवाहें लगातार चर्चा में हैं। हालांकि, अब तक न तो ऐश्वर्या और न ही अभिषेक ने इस पर कोई आधिकारिक बयान दिया है।

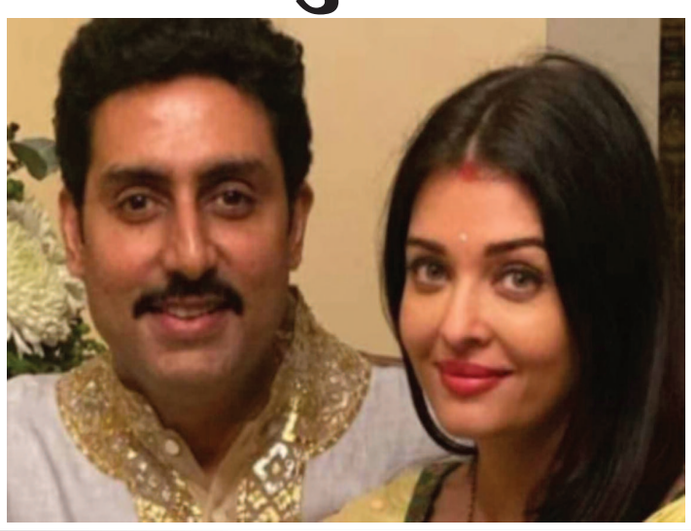

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।